E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक-14 | प्रयागराज, बुधवार 18 मार्च, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

इराक में अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन अटैक,इजराइल की तेहरान पर एयस्ट्राइक

नयी दिल्ली। इराक की राजधानी बगदाद में स्थित अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन और रॉकेट से हमला किया गया है। हमले से करीब छह घंटे पहले ही दूतावास ने इराक में रह रहे अमेरिकी नागरिकों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की थी। इसी बीच इजराइल ने दावा किया है कि उसने ईरान की राजधानी तेहरान में बड़े पैमाने पर एयरस्ट्राइक की है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक तेहरान के उत्तरी इलाके में कई जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई। उधर इस तनाव के बीच भारत के लिए राहत की खबर है। भारत के दो जहाज आज गुजरात के कांडला पोर्ट और मुंद्रा पोर्ट पहुंचने वाले हैं। 'नंदा देवी' जहाज करीब 46 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लेकर कांडला पहुंचेगा, जबकि 'जग लाडकी' जहाज करीब 81 हजार टन कच्चा तेल लेकर मुंद्रा पोर्ट पहुंचेगा। ये दोनों जहाज होर्मुज स्ट्रेट से तेल और गैस लेकर भारत आ रहे हैं। इससे पहले भारतीय जहाज शिवालिक सोमवार को एलपीजी लेकर 'मुंद्रा पोर्ट' पहुंच चुका है। इस जहाज पर करीब 46 हजार मीट्रिक टन एलपीजी है, जो लगभग 32.4 लाख घरेलू गैस सिलेंडरों के बराबर है।भारत ने ईरान के पास मौजूद दुनिया के अहम समुद्री रास्ते होर्मुज स्ट्रेट के पास अपने दो युद्धपोत तैनात किए

हैं। एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि भारतीय नौसेना के ये टास्क फोर्स जहाज तेल और गैस लेकर भारत आने वाले व्यापारिक जहाजों और टैंकरों को सुरक्षा देंगे। साथ ही जरूरत पड़ने पर उन्हें हर तरह की सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष और होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ते खतरे के बीच भारत अपने ऊर्जा सप्लाई मार्ग और समुद्री व्यापार की सुरक्षा को लेकर सतर्क है।ईरान ने अपने फुटबॉल वर्ल्ड कप के मैच अमेरिका की जगह मेक्सिको में कराना चाहता है। ईरान के फुटबॉल प्रमुख मेहदी ताज ने बताया कि इस बारे में फीफा से बात चल रही है। ईरान की टीम वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। लेकिन उसके कुछ मैच अमेरिका के लॉस एंजिलिस और सीएटल में होने वाले थे। ईरान का कहना है कि सुरक्षा को लेकर चिंता है, इसलिए टीम अमेरिका नहीं जाना चाहती। इसी वजह से वह चाहता है कि उसके सारे मैच मेक्सिको में कराए जाएं। ईरान के खेल मंत्री ने भी कहा है कि मौजूदा हालात में टीम का टूर्नामेंट में खेलना मुश्किल हो सकता है।ईरान के अराक शहर में हुए हमले में एक 3 दिन के नवजात बच्चे और उसकी 2 साल की बहन की मौत हो गई। यह जानकारी ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दी है। आईआरजीसी के मुताबिक इस हमले में बच्चों के साथ उनकी मां और दादी की भी जान चली गई। ईरान के सरकारी चैनल प्रेस टीवी के हवाले से बताया गया कि इस घटना के बाद आईआरजीसी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि इस तरह के हमले उनके इरादों को और मजबूत करेंगे। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, 28 फरवरी से अब तक अमेरिका और इजराइल के हमलों में 1444 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 18,551 लोग घायल हुए हैं।अमेरिका के बड़े वॉरशिप यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड पर आग लग गई थी, जिसे बुझाने में 30 घंटे से ज्यादा समय लगा। यह आग जहाज के उस हिस्से में लगी थी, जहां कपड़े धोए जाते हैं। इस घटना में कई सैनिकों को धुएं की वजह से दिक्कत हुई, जबकि दो सैनिकों को हल्की चोट आई। नौसेना ने कहा कि यह आग किसी लड़ाई की वजह से नहीं लगी थी और अब हालात काबू में हैं। आग के बाद जहाज पर हालात थोड़े मुश्किल हो गए हैं।

'उत्पात नहीं मचाएंगे',शर्तों को मानने पर 8 विपक्षी सांसदों से हटा सस्पेंशन बीजेपी का दो अहम समझौतों का दावा

नयी दिल्ली। संसद में निलंबित किए गए आठ सांसदों का निलंबन आज वापस ले लिया गया है।

मंगलवार को संसद में प्रस्ताव लाकर इन सांसदों का निलंबन रद्द किया किया। साथ ही उन्हें चेतावनी भी दी गई कि आगे इस तरह का आचरण न अपनाए। सोमवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में इस मुद्दे पर सहमति बनी थी। वहीं बीजेपी ने दावा किया है कि पक्ष और विपक्ष के बीच दो समझौते हुए हैं, जिसके तहत अब विपक्ष फर्जी बयानबाजी नहीं करेगा। सभी 8 सांसदों का निलंबन रद्द होने के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि यह रद्द हो गया है।'बीजेपी सांसद निशिकांत ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है कि आज सभी कांग्रेस पार्टी के सांसदों का निलंबन शायद वापस होगा। उन्होंने कहा, यह पहला समझौता हुआ कि विपक्ष के नेता अनर्गल, बेबुनियाद, तथ्यहीन, बकवास बातें सदन में नहीं करेंगे। उसके बदले मैं शांतिपूर्ण व्यवहार करूंगा।निशिकांत दुबे ने आगे बताया कि, दूसरा समझौता हुआ है कि वेल में विपक्ष के सांसद सत्ता पक्ष की तरफ नहीं जाएंगे, कागज नहीं फेंकेंगे, लोकसभा के मेज पर चढ़कर उत्पात नहीं मचाएंगे , लोकसभा के अधिकारियों के साथ अभद्रता नहीं करेंगे। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे-'लोकतंत्र की मर्यादा बनी रहे,जनता ने हमें वाद विवाद के लिए संसद बनाया है ना कि उत्पात मचाने के लिए' सूत्रों के अनुसार, ऑल पार्टी मीटिंग में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सांसद शामिल हुए और बैठक में इस बात पर राय बनी थी कि सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने के लिए निलंबन को समाप्त किया जाना चाहिए।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

राज्यसभा चुनाव- हरियाणा में होता रहा हंगामा,ओडिशा-हरियाणा में कांग्रेस विधायकों की क्रॉस वोटिंग

एनडीए ने 37 में से 22 सीटें जीतीं, 10 सीटों का फायदा

चंडीगढ़। हरियाणा में राज्यसभा की 2 सीटों पर चुनाव

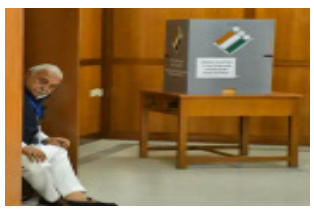

के दौरान जोरदार हंगामा हुआ। सोमवार को शाम 4 बजे वोटिंग खत्म हो गई थी, लेकिन दो कांग्रेस विधायकों के वोटों पर भाजपा की आपत्ति के कारण रात 10.25 बजे काउंटिंग शुरू हो सकी, जो रात 1.30 बजे तक चली। वोटिंग से लेकर रिजल्ट तक की प्रक्रिया में 16 घंटे लगे। ओडिशा और हरियाणा में कांग्रेस के विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। बिहार में विपक्ष के 4 विधायक वोट डालने ही नहीं पहुंचे। इससे भाजपा को फायदा मिला। 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के चुनाव में 26 पर प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए। इनमें से 9 सीटें एनडीए के खाते में गईं। विपक्ष को 2 सीटें मिलीं। तीन राज्य हरियाणा, बिहार और ओडिशा में 11 सीटों पर चुनाव हुए। एनडीए ने 22 और विपक्ष ने 15 सीटें जीतीं हैं। एनडीए को 10 सीटों का फायदा हुआ है। पहले एनडीए के पास 12 और विपक्ष के पास 25 सीटें थीं। बिहार से राज्यसभा की 5 सीटों के चुनाव में हार्स ट्रेडिंग में एनडीए ने महागठबंधन को मात दे दी। आरजेडी के एडी सिंह चुनाव हार गए। एनडीए के सभी 5 उम्मीदवार चुनाव जीत गए। इनमें जेयूडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीएम नीतीश कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अध्यक्ष नितिन नवीन, रालोमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा, केन्द्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर और भाजपा के शिवेश राम शामिल हैं। दरअसल आरजेडी दोपहर तक अपने उम्मीदवार के जीतने की दावेदारी कर रही थी।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

'परमाणु युद्ध शुरू होता और थर्ड वर्ल्ड वॉर में बदल जाता',डोनाल्ड ट्रंप ने बताया क्यों छेड़ा ईरान से युद्ध

वॉशिंगटन। अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद युद्ध बढ़ता जा रहा है। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से दुनिया में एनर्जी सप्लाई भी प्रभावित है। वहीं दूसरी ओर डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध छेड़ने के फैसले का बचाव किया है। ट्रंप ने कहा है कि ईरान पर हमला ना करने का नतीजा भविष्य में तीसरे विश्व युद्ध या परमाणु हमले के तौर पर निकल सकता था। ट्रंप को कथित तौर पर ईरान के खाड़ी देशों में जवाबी हमले और होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के बारे में पहले ही बताया था। इसके बाद भी उन्होंने ईरान युद्ध में जाने का फैसला किया। डोनाल्ड ट्रंप ने 28 फरवरी को इजरायल के साथ मिलकर हवाई हमले शुरू करने के फैसले का बचाव करते हुए तर्क दिया कि इसके आर्थिक परिणाम भविष्य के बुरे नतीजों को देखते हुए मामूली हैं। युद्ध के बाजार पर प्रभाव को उन्होंने इसकी एक बहुत छोटी कीमत बताया है। ट्रंप ने कहा कि शेयर बाजार को गिरने से रोकने के लिए उन्हें परमाणु हमला करने का मौका नहीं दिया जा सकता था।डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान को परमाणु बम बनाने से रोकने के लिए ये

हमला किया गया। भविष्य के व्यापक संघर्ष को रोकने के लिए यह युद्ध जरूरी हो गया था। ट्रंप ने ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम के 'खतरे' की ओर इशारा करते हुए कहा, 'अगर हमने ईरान पर हमला नहीं किया होता तो भविष्य में एक परमाणु युद्ध छिड़ जाता। ये लड़ाई बढ़कर तीसरे विश्व युद्ध में बदल जाती। ऐसे में ईरान को कमजोर करने के लिए हमले किए गए।'डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि कतर, सऊदी अरब, यूएई, बहरीन और कुवैत पर ईरान के जवाबी हमले अप्रत्याशित थे। अमेरिका को ईरान से इसकी उम्मीद नहीं थी, इसने हमे चौंकाया। रॉयटर्स ने अमेरिकी अधिकारी और खुफिया जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से बताया कि डोनाल्ड ट्रंप को पहले ही यह जानकारी दी गई थी कि तेहरान की ओर से खाड़ी में अमेरिका के सहयोगी देशों पर जवाबी हमला हो सकता है।रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि ट्रंप को खाड़ी देशों पर हमले के साथ-साथ होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी बता दिया गया था। ट्रंप को ब्रीफ किया गया था कि ईरान इस अहम समुद्री गलियारे को बंद कर सकता है, जो तेल के परिवहन का एक अहम वैश्विक मार्ग है। ऐसे में इससे दुनियाभर में एनर्जी की किल्लत हो सकती है। इसके बाद भी ट्रंप ने ईरान पर हमले करने के फैसले पर आगे बढ़ने का फैसला लिया।

जहां मंदिरों पर हमले और भारतीयों संग मारपीट,और उसपर आरएसएस और रॉव पर बैन की मांग,पहले खुद के गिरेबान में झांके अमेरिका

वॉशिंगटनः अमेरिकी सरकार के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति को कथित तौर पर खराब बताया है। यही नहीं उसने भारत को 'विशेष चिंता वाले देश' के रूप में नामित करने को कहा है। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने यह भी कहा कि भारतीय खुफिया एजेंसी 'रिसर्च एंड एनालिसिस विंग' और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठनों पर 'उन व्यक्तियों या संस्थाओं की संपत्तियों को जब्त करके और/या अमेरिका में उनके प्रवेश पर रोक लगाकर धार्मिक स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघन की जिम्मेदारी के लिए' लक्षित प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए। अमेरिकी आयोग की इस सलाह पर भारत ने करारा जवाब दिया है। भारत ने अमेरिकी आयोग को अमेरिका के अंदर हिंदू मंदिरों पर लगातार हो रहे हमले और भारतीयों के खिलाफ नस्लीय हमले और धमकियों की याद दिलाई है। भारत ने यूं ही नहीं अमेरिका को अपने गिरेबान में झांकने के लिए कहा है। आइए समझते हैं कि भारत को ज्ञान देने वाले अमेरिका में क्या चल रहा है...हाल के वर्षों में अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर हमले की कई घटनाएं हुई हैं। कई मंदिरों पर अपमानजनक टिप्पणियां लिखी गई हैं। इसके पीछे खासतौर पर खालिस्तानी आतंकी और पाकिस?तानी खुफिया एजेंसी

की वजह से तो नहीं है।यूटा के इस?कान मंदिर में तो रात के समय में 20 से 30 गोलियां चलाई गई थीं। इससे मंदिर की बाहरी दीवार और एक खिड़की को नुकसान पहुंचा था। मार्च 2025 में कैलिफोर्निया के मंदिर को विकृत किया गया था। इसे खालिस्तान जनमत संग्रह से जोड़कर देखा गया था। इसके अलावा इंडियाना में बीएपीएस के श्री स्वामीनारायण मंदिर को भारत विरोधी नारों से विकृत किया गया था। इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी कड़ी आपत्ति जताई थी। इन घटनाओं के बाद भारतीय समुदाय ने अमेरिका सरकार से ज्यादा सुरक्षा देने की मांग की थी। भारतीय अमेरिकी कांग्रेस सदस्य सुहास सुब्रमण्यन ने भी इन हमलों की कड़ी निंदा की थी। वहीं अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ भी नस्लीय हमले काफी बढ़े हैं।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

'ईरान-अमेरिका में सीजफायर कराए भारत' फिनलैंड के राष्ट्रपति ने दिल्ली से की अपील

बोले- हमें युद्धविराम की जरूरत

हेलसिंकी। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने कहा है कि दुनिया को पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध को खत्म कराने की कोशिश

करनी चाहिए। उन्होंने खासतौर से भारत से अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम के लिए ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हालिया समय में विदेश मंत्री जयशंकर की ईरानी नेताओं से बातचीत हुई है। ऐसे में मुझे लगता है कि भारत सच में इसमें शामिल हो सकता है तो यह काफी बेहतर होगा। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने इसी महीने (4-7 मार्च) भारत का दौरा किया था। स्टब नई दिल्ली में 'रायसीना डायलॉग 2026' में मुख्य अतिथि थे। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा है कि ईरान और अमेरिका-इजरायल गठबंधन के बीच 28 फरवरी से चल रहे युद्ध को रोका जाना जरूरी है और इसमें भारत जैसे देशों की भूमिका अहम हो सकती है। ईरान में युद्ध से हो रही तबाही और सीजफायर की कोशिश के सवाल पर स्टब ने कहा, 'हमें युद्धविराम की जरूरत है। मैं सोच रहा हूं कि क्या यूरोप और असल में भारत इसमें शामिल हो सकता है। हमने हाल में देखा कि विदेश मंत्री जयशंकर ने हालात शांत करने के लिए युद्धविराम की अपील की। मुझे लगता है कि ये हो सकता है क्योंकि नई दिल्ली पर दोनों पक्षों का भरोसा है।'स्टब की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब ईरान में हो रहा युद्ध पूरे पश्चिम एशिया में फैल रहा है। वहीं ईरान के होर्मुज स्टेट को रोकने से दुनिया के बड़े हिस्से की एनर्जी सप्लाई भी प्रभावित हो रही है।

ईरान में बंद होगा युद्ध? दावा-ट्रंप के दूत से ईरानी विदेश मंत्री की सीधी बातचीत

इजरायल भी सीजफायर को तैयार

वॉशिंगटन। अमेरिका-इजरायल गठबंधन और ईरान के बीच 18 दिन से चल रहे विनाशकारी युद्ध के रुकने की

उम्मीद बंधी है। दोनों ओर से सार्वजनिक तौर पर आक्रामक बयानबाजी के बीच कथित तौर पर पर्दे के पीछे बातचीत शुरू हुई है। अमेरिका के पश्चिम एशिया के विशेष दूत और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक-दूसरे संपर्क साधा है। वहीं इजरायल ने भी ऐसे संकेत दिए हैं, जिससे लगता है कि उसके रुख में नरमी आई है। हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर किसी भी पक्ष ने सीजफायर को लेकर कुछ नहीं कहा है। एक्सियोस की रिपोर्ट ने एक अमेरिकी अधिकारी और इस मामले से परिचित सूत्र के हवाले से बताया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने हाल के दिनों में सीधी बातचीत फिर शुरू की है। युद्ध शुरू होने से पहले इन दोनों अधिकारियों में बातचीत हो रही थी लेकिन 28 फरवरी के हमलों के बाद ये रुक गई।रिपोर्ट में बताया कि यह नहीं बताया गया है कि विटकॉफ और आराघची के बीच किस तरह की बातचीत हुई है। ये इसलिए अहम है क्योंकि संघर्ष शुरू होने के बाद से दोनों पक्षों के बीच यह पहली सीधी बातचीत है। अमेरिकी अधिकारी और सूत्र के अनुसार, अराघची ने विटकॉफ को कुछ टेक्स्ट संदेश भेजे। इन संदेशों का मुख्य उद्देश्य युद्ध को समाप्त करना है।भारत में इजरायल के राजदूत रुवेन अजार ने भी युद्ध में नरमी के संकेत दिए हैं। इजरायल ने संकेत दिया है कि अगर ईरान अपना रुख बदलता है तो वह शत्रुता समाप्त करने के लिए तैयार है। इजरायल की ओर से वह इस संकट का कूटनीतिक समाधान निकालने की बात कही गई है। अजार का बयान अहम है क्यों वह इजरायल के अगले एनएसए हो सकते हैं।अमेरिकी अधिकारी ने एक्सियोस को बताया है कि अब्बास अराघची ने बातचीत शुरू करने की कोशिश की है। दूसरी ओर ईरानी विदेश मंत्री ने अमेरिकी दूत के साथ हालिया समय में किसी भी संपर्क से इनकार किया है। उनका कहना है कि विटकॉफ के साथ उनका आखिरी संपर्क ईरान पर हमले से पहले हुआ था। डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा है कि ईरान ने अमेरिकी अधिकारियों से संपर्क किया था। वे एक समझौता करना चाहते हैं। वे हमारे लोगों से बात कर रहे हैं लेकिन हमें कोई अंदाजा नहीं है कि वे कौन हैं। ट्रंप ने यह भी कहा है कि वे ईरान के साथ बातचीत के विरोधी नहीं हैं। कभी-कभी इससे अच्छी चीजें निकलकर आती हैं।

इजरायली हमले में कुछ ही देर के फर्क से बचे मोजतबा,अली खामेनेई पर अटैक के समय क्या हुआ था अब हुआ खुलासा

तेहरान। अमेरिका और इजरायल के 28 फरवरी को तेहरान में किए गए हमले में ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत हो गई थी। इस हमले में खामेनेई की पत्नी, बेटी, परिवार के दूसरे सदस्य और कई सीनियर अफसर

मारे गए थे। ईरान के मौजूदा सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई भी करीब-करीब इस हमले की चपेट में आ ही गए थे, अगर कुछ सेकंड पहले वह उस जगह से नहीं हटे होते। एक रिपोर्ट में सामने आया है कि मोजतबा खामेनेई हमले में बाल-बाल बचे हैं। हालांकि उनको टांग में कुछ चोट लगी है। द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई अपने पिता अली खामेनेई के साथ उसी इमारत में मौजूद थे, जिस पर अमेरिका-इजरायल का हमला हुआ। हमले से ठीक पहले वे परिसर से बाहर निकले थे। इसके तुरंत बाद उस जगह पर हमला हो गया। मोजतबा के इमारत से निकले और हमले के बीच सिर्फ कुछ सेकंड का फर्क रहा।द टेलीग्राफ ने अपनी रिपोर्ट में ईरानी अधिकारियों के बीच बातचीत के एक कथित ऑडियो का हवाला दिया है। इसमें वह उस हमले के बारे में बात कर रहे हैं, पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और कई लोगों की जान गई। ईरानी अफसर कह रहे हैं कि मिसाइलों के कंपाउंड पर गिरने से कुछ ही पल पहले मोजतबा बाहर बगीचे में आए थे।खामेनेई दफ्तर के प्रोटोकॉल प्रमुख मजाहिर हुसैनी ने कथित तौर पर ईरानी अधिकारियों को बताया कि अल्लाह की मर्जी थी कि मोजतबा किसी काम से बाहर निकल गए।

मोजतबा के इमारत छोड़ते ही बैलिस्टिक मिसाइलें कंपाउंड से टकराईं। एक मिसाइल उस हिस्से पर गिरी, जहां अली खामेनेई थे। दूसरी मिसाइल ऊपर की मंजिल पर मोजतबा के आवास पर गिरी।मजाहिर हुसैनी ने बताया कि मोजतबा इस हमले से बच तो गए लेकिन उनके पैर में मामूली चोट आई। लीक हुई रिकॉर्डिंग में इस हमले से हुई भयानक तबाही का जिक्र किया है। इस हमले में ईरान के मिलिट्री चीफ मोहम्मद शिराजी भी मारे गए। हुसैनी ने बताया है कि उनके शरीर के इतने टुकड़े हो गए थे कि बमुश्किल उनको पहचान कर दफनाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, हुसैनी ने यह भी बताया गया है कि इसी परिसर में मौजूद मोजतबा के जीजा मिस्बाह अल-हुदा बाघेरी कानी के घर को पर भी मिसाइल से हमला किया गया। यह मिसाइल इतनी जबरदस्त थी कि वह ऊपरी मंजिल से टकराई और घर के निचले हिस्से तक जा पहुंची। इसमें मोजतबा के जीजा की जान चली गई।ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। ईरान के इस नए सर्वोच्च नेता को सार्वजनिक तौर पर नहीं देखा गया है। अमेरिका की ओर से कई बार ये दावा किया गया है कि मोजतबा को काफी ज्यादा चोट लगी है। मोजतबा के रूस में इलाज कराने का भी दावा किया जा रहा है। कहा गया है कि विशेष विमान से वह मॉस्को पहुंचे हैं।

'ईरान के लिए भारत बहुत अहम',होर्मुज स्ट्रेट से भारतीय जहाजों को अनुमति देने पर तेहरान वर्जन

तेहरान। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से भारतीय जहाजों के निकलने पर नरमी बरतने के संकेत दिए हैं। ईरानी विदेश मंत्री के प्रवक्ता

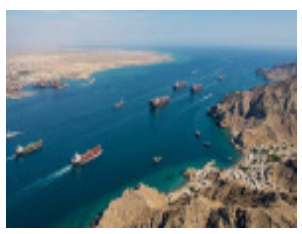

इस्माइल बघाई ने कहा है कि उनका इरादा दुनिया की तेल सप्लाई बाधित करने की नहीं है लेकिन युद्ध में शामिल देशों को होर्मुज स्ट्रेट पार करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। बघाई ने भारत के एक जहाज के इस समुद्री गलियारे से सुरक्षित गुजरने की जानकारी दी है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर चल रही अटकलों में कोई सच्चाई नहीं है। इस्माइल बगाई ने सोमवार को एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में कहा कि एक भारतीय जहाज आज भारत पहुंचा, जिसे जलडमरूमध्य से गुजरने की मंजूरी दी गई थी। उन्होंने कहा, 'हम भारत के बहुत करीब हैं। भारतीयों और ईरानियों में बहुत सी बातें एक जैसी हैं। हम दिल्ली के साथ अपने संबंधों को मजबूत बनाए रखने और उन्हें जारी रखने को काफी ज्यादा अहमियत देते हैं।' इस्माइल बघाई ने होर्मुज स्ट्रेट से होने वाली गैस और तेल सप्लाई में रुकावट पर कहा, 'दुर्भाग्य से पूरे क्षेत्र पर जो असुरक्षा थोपी गई है, उसका असर होर्मुज पर पड़ रहा है। इसमें ईरान की कोई गलती नहीं है। इसके जिम्मेदार वो देश हैं, जिन्होंने बातचीत के बीच में हमला करते हुए ईरान पर एक युद्ध थोप दिया है।'उन्होंने कहा कि ईरान युद्ध में शामिल देशों के जहाजों को तटस्थ यातायात नहीं मान सकता है। हमने यह साफ कर दिया है कि अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार हमलावर देशों के जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से नहीं गुजर सकते। उनका वहां से गुजरना अब निर्दोष नहीं रह गया है। वे इस हमले में योगदान देंगे।बघाई ने साफतौर पर कहा कि ईरान के खिलाफ युद्ध में मदद करने वाले जहाजों को इस जलमार्ग से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि बाकी देशों को यहां से रास्ता दिया जा सकता है। ईरान में युद्ध शुरू होने के बाद से होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा संकट में है। भारत इससे सीधे प्रभावित है क्योंकि इसी रास्ते से भारत का ज्यादातर समुद्री व्यापार होता है।

जनपद में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 714 लाभार्थियों को मिली प्रथम किस्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ जी द्वारा लखनऊ से प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत 90 हजार लाभार्थियों के बैंक खातों में 01-01 लाख रुपये की पहली किस्त (कुल 900 करोड़ रुपए) की धनराशि हस्तांतरित की गई है। यह राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सिंगल क्लिक के माध्यम से उनके बैंक खातों में भेजी गई है। जिसमें जनपद के 714 लाभार्थियों के खातों में प्रथम किस्त की धनराशि सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रेषित की गई। योजना अंतर्गत विशेष रूप से स्पेशल फोकस ग्रुप यथा- विधवाओं, अविवाहित/परित्यकता, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों, अनुसूचित जाति/जनजाति, सफाई कर्मी, पी0एम0 स्वनिधि योजना, पी0एम0 विश्वकर्मा योजना, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं समाज के अन्य कमजोर व वंचित वर्गों को सम्मिलित करते हुए प्राथमिकता दी गई है। इसी क्रम में

जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार, जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ सहित बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिसमें 08 लाभार्थियों को आवास स्वीकृत प्रमाणपत्र भी वितरण किया गया, जिसमें लाभार्थी केश कुमारी, लवकेश कुमारी, सुनीता, सुमन, रवि शंकर, प्रिया साहू, रीना राय, सबीना शामिल है। कार्यक्रम में लखनऊ से आयोजित मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया एवं उनके उद्बोधन सुना गया। इस अवसर पर मा0 विधायक सलोन ने कहा कि यह योजना (शहरी) आवासहीन लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का सपना होता है कि उसके सर पर छत हो और उसका अपना एक आवास हो, जिसमें वह परिवार के साथ जीवन यापन कर सके। उनका आज वो सपना मा0 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी व मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने पूरा किया है। इसके साथ ही आवास योजना के लाभार्थियों को उजाला योजना के अंतर्गत गैस कनेक्शन (सिलेण्डर), विद्युत कनेक्शन, जल जीवन मिशन के अंतर्गत पेयजल हेतु नल कनेक्शन, शौचालय का भी लाभ दिलाया जा रहा है, सभी लाभार्थियों को एक कंप्लीट पैकेज दिया जा रहा है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सचिन यादव, पीओ डूडा शशी कुमार मेहरोत्रा सहित अन्य अधिकारीगण व लाभार्थीगण उपस्थित रहे।

लखनऊ में ड्रोन प्रशिक्षण शिविर के लिए चयनित हुए जी एल बजाज के छात्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्रेटर नोएडा जी एल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट ने अपने छात्रों के एक प्रतिष्ठित ड्रोन प्रशिक्षण शिविर के लिए चयन की घोषणा की है, जो 7 मार्च से 16 मार्च 2026 तक लखनऊ में आयोजित किया गाय। कैडेट लवि पंवार (तृतीय वर्ष, CSE-DS) और कैडेट मृदुल सोम (तृतीय वर्ष, CSE) ने इस अत्यंत प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम में अपनी जगह बनाई है। उनका चयन उनके समर्पण, तकनीकी दक्षता और संस्थान द्वारा नवाचार एवं उत्कृष्टता को निरंतर प्रोत्साहित करने के प्रयासों का प्रतिबिंब है। यह ड्रोन प्रशिक्षण शिविर प्रतिभागियों को अत्याधुनिक ड्रोन तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें शामिल हैं-एरियल सर्विलांस, ड्रोन संचालन, उन्नत नेविगेशन सिस्टम,रियल-टाइम डेटा हैंडलिंग, वर्तमान तकनीकी परिदृश्य में ड्रोन तकनीक रक्षा, कृषि, लॉजिस्टिक्स

और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में उभर रही है। इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों को व्यावहारिक एवं उद्योग-उन्मुख कौशल प्रदान करते हैं, जिससे उनकी शिक्षा पारंपरिक कक्षाओं से कहीं आगे बढ़ती है। जी एल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट लगातार छात्रों को उभरती तकनीकों से जोड़ने के लिए विभिन्न मंच प्रदान करता है, जैसे-राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम, तकनीकी कार्यशालाएँ एवं प्रमाणन, उद्योग सहयोग, नवाचार-आधारित पहल, यह उपलब्धि जी एल बजाज की उस प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है, जिसके माध्यम से संस्थान शैक्षणिक शिक्षा और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग के बीच की दूरी को कम करता है तथा छात्रों को गतिशील करियर के लिए तैयार करता है। इन कैडेट्स का चयन पूरे जी एल बजाज परिवार के लिए गर्व का क्षण है। यह उस अनुशासन, उत्कृष्टता और तकनीकी जिज्ञासा की संस्कृति को दर्शाता है, जो इस संस्थान की पहचान है। 'GLBians Growing Technologically' केवल एक दृष्टि नहीं, बल्कि छात्रों की उपलब्धियों के माध्यम से साकार होती वास्तविकता है।

केसरवानी वैश्य सभा नैनी का होली मिलन समारोह संपन्न,नारी शक्ति के बिना देश व समाज का विकास संभव नहीं- अभिलाषा गुप्ता नंदी

एक जुटता से समाज में होती है मजबूती- महापौर गणेश केसरवानी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी/प्रयागराज। रंगों का त्यौहार

होली प्रेम एवं सौहार्द का प्रतीक होता है। इस त्यौहार पर लोग अपने पुराने गिलवे शिकायत को भूलकर एक दूसरे को गले लगाते हैं। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। नारी शक्ति के बिना देश एवं समाज का विकास संभव नहीं है। यह बातें रविवार को पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी ने नैनी क्षेत्र के मेवालाल की बगिया तिराहे के समीप स्थित ग्रीन गार्डन में केसरवानी वैश्य सभा नैनी द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बताया, कि आज के इस दौर में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी योग्यता के अनुसार आगे बढ़ रही हैं। आज शिक्षा का बड़ा महत्व है। शिक्षा से ही लोगों के रहन-सहन एवं सच में बदलाव आता है। उन्होंने कहा, कि नारी शक्ति के बिना देश एवं समाज का विकास संभव नहीं है। कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व महापौर के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया तत्पश्चात मंच पर आर्केस्ट्रा कलाकारों के द्वारा गणेश वंदना, स्वागत गीत एवं होली गीत से समां बांध दिया। होली गीत से आर्केस्ट्रा कलाकारों ने जमकर तालिया बटोरी। तमाम तरह के होली गीत से कार्यक्रम में पहुंचे महिलाएं एवं पुरुष झूमकर खुशियां बना रहे थे। कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए मंच पर मंगला प्रसाद केसरवानी (ताऊ), नितिन केसरवानी उर्फ बबलू विधायक, प्रेम केसरवानी, श्यामलाल केसरवानी, राजेश केसरवानी, बाटे केसरवानी, वंश केसरवानी (एडवोकेट) को पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी के द्वारा अंग

वस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाज के लोगों को बहुत-बहुत धन्यवाद के साथ होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर पहुंचे महापौर प्रयागराज उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने कहा, कि एकजुटता में समाज में ताकत होती है। इसलिए लोगों को आपसी मतभेद त्याग कर भाईचारे के साथ मिलजुल कर व्यवहार करना चाहिए। संगठन में शक्ति होती है। एकजुट होकर कार्य करने से मुश्किल से मुश्किल काम आसान हो जाता है। इस अवसर पर सहभोज का भी आयोजन किया गया। जहां पर लोगों ने तमाम तरह के व्यंजन खाकर लुफ्त उठाया। कार्यक्रम का संचालन नैनी व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुभाष चंद्र केसरवानी ने की। इस मौके पर पूर्व पार्षद हरी लाल केशरवानी, लखन लाल केसरवानी, गुलाबचंद केसरवानी, रमेश चंद केसरवानी (शंकरढाल), संजय केसरवानी सीमेंट, संतोष केसरवानी, रामकिशन केसरवानी, विजय केसरवानी, रमेश केसरवानी (नैनी बाजार), बृज बिहारी लाल केशरवानी, आर.डी केसरवानी समेत हजारों की संख्या में केशरवानी समाज के लोग शामिल रहे।

बीते रविवार को आधुनिक समाचार के कैंपस में Social Media influencer meetup (The Rise of Digital youth creator) का आयोजन हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज के कोने - कोने से influencer इसमें जुड़े और इस कार्यक्रम का शीला साहू ,काजल साहू मौजूद रही और साथ ही अनिल केसरवानी फायर फाइटर रहे और इसी के साथ माही ब्राइडल हाउस की ऑनर प्लेट फार्म पे काम कर रहे है उन्हें कोई मंच नहीं देता उन्हें कोई जल्दी पूछता नहीं बस वह मेहनत करते है दूसरे की चीजों और मुद्दों को

हिस्सा बने इसी के साथ आशीष शर्मा जी ने गणेश वंदना से इस कार्यक्रम की शुरुआत की और इस कार्यक्रम में मुख्य गणमान्य उपस्थित रहे ।। डिविजनल ऑफिसर (श्री रौनक गुप्ता सर) प्रकृति वेदा के डॉ पुष्पेंद्र सर,सरस्वती मंदिर स्कूल के डायरेक्टर कीर्ति प्रकाश सर,श्री सत्यम सर, हमारे इस शो के इन्फ्लूएंसर मीटअप 2026 के जज श्री शक्ति सिंह जी और मिस कौस्तूभी जी रही और इसी के साथ मॉडलिंग के जज श्री मोमिश पांडे और श्री मुकेश कुमार जी रहे। और साथ ही स्पेशल गेस्ट हमारे बीच रहे यूट्यूबर श्री प्रवीण कुमार शुक्ला जी और हिट फिल्म के ऑनर सौरभ तिवारी जी ,और मिक्स मार्शल आर्ट के ट्रेनर श्री मिथुन निषाद जी, इंडियन मॉडर्न फॉल्क के डायरेक्टर श्री रमेश कश्यप जी ,और शुभम कश्यप जी मौजूद रहे साथ ही सिविल डिफेंस की स्टाफ ऑफ़िसर पूनम गुप्ता जी, फायर फाइटर माही,मनीषा,तृप्ति जी भी मौजूद रही। और जो भी इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किए बच्चे और जो इस मीटअप में बच्चे विजेता बने उन सभी बच्चों की हम उज्जवल भविष्य की कामना करते है और ऐसे ही आगे बढ़े ।। जिसमें अयान, उर्वसी,आर्य , अवनी ,आयुषी और अन्य बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मान दिया गया। और इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनने में एंकर आयुषी पांडे जी की बेहतरीन भूमिका रही ।। और इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग रहा समाज सेवी श्री प्रभाकर तिवारी सर और पुनीत अरोरा सर का,और साथ ही धीर सिंह जी ,कौशल सर जी का बहुत ज्यादा योगदान रहा ।। इस कार्यक्रम में प्रांजल पांडे, आकांक्षा पांडे, अभी यादव, सौरभ पांडे और कई गणमान्य मान्य लोग मौजूद रहे।इस पूरे कार्यक्रम का आयोजन कराने का मकसद यह था कि छोटे उम्र के बच्चे जो सोशल मीडिया हमे और आप तक पहुंचाते है चाहे वह कुम्भ हो या महाकुंभ या कोई त्यौहार या कोई मुसीबत या किसी के साथ खड़ा रहना हो वो सब इन्फ्लूएंसर स्टैंड रहते ही हमारे और आप के लिए और एक बात बड़े क्रिएटर्स को तो सभी पूछते है मगर इन्हे कोई नहीं तो उन सभी नए क्रिएटर्स को एक नई दिशा दिखाई जाए और उनका मिलकर सपोर्ट किया जा सके जिससे वह आने वाले अपने भविष्य को और अच्छा बना सके और इस समाज में सही प्रेरणाना का श्रोत बने। आप सभी क्रिएटर्स और मॉडल्स का और सभी उन लोगों का जो इस में अपना सहयोग किए और साथ रहे उन सभी को इस शो में आने के लिए तहे दिल से धन्यवाद कहता हूं। और इस पूरे इवेंट को मैनेज और डिजाइन किया है। आर डी एक्स इवेंट मैनेजमैंट ने~ RDX Event Management ।

छिवकी रेलवे जंक्शन पर अवैध वेंडिंग का साम्राज्य यात्रियों की सेहत से हो रहा खिलवाड़

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज,संवाददाता। प्रयागराज छिवकी रेलवे जंक्शन पर अवैध वेंडिंग का कारोबार इन दिनों चरम पर है। स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में बिना लाइसेंस के वेंडर खुलेआम चाय, समोसा और अन्य खाद्य सामग्री बेचते नजर आ रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि यह पूरा कारोबार गंदगी और अस्वच्छ माहौल में संचालित हो रहा है, जिससे यात्रियों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों और यात्रियों के अनुसार, इन अवैध वेंडरों द्वारा उपयोग किए जा रहे बर्तन और पानी की गुणवत्ता बेहद खराब है। कई जगहों पर खुले में खाना बनाया और बेचा जा रहा है, जहां न तो साफ-सफाई का ध्यान रखा जा रहा है और न ही किसी प्रकार के खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के खाद्य पदार्थों के सेवन से फूड प्वाइजनिंग, पेट संबंधी संक्रमण और अन्य गंभीर

बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। सूत्रों की मानें तो स्टेशन पर करीब 100 से अधिक अवैध वेंडर सक्रिय हैं, जो बिना किसी वैध अनुमति के कारोबार कर रहे हैं। सबसे गंभीर आरोप यह है कि इस पूरे अवैध तंत्र को स्थानीय स्तर पर कुछ ठेकेदारों के साथ-साथ रेलवे के वाणिज्य विभाग और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कुछ कथित भ्रष्ट कर्मचारियों का संरक्षण प्राप्त है। यही कारण है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद इन वेंडरों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही है। यात्रियों में इस स्थिति को लेकर गहरा आक्रोश व्याप्त है। उनका कहना है कि रेलवे स्टेशन जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थान पर इस तरह की अव्यवस्था न केवल स्वास्थ्य के लिए खतरा है, बल्कि रेलवे की छवि को भी धूमिल कर रही है। कई यात्रियों ने मांग की है कि प्रशासन तत्काल सख्त कार्रवाई करते हुए अवैध वेंडरों को हटाए और खाद्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराए। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह स्थिति किसी बड़े स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। अब देखना यह है कि रेलवे प्रशासन इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और कब तक इस अवैध वेंडिंग पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाते हैं।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-

Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

परिधान निर्यात में विराज एक्सपोर्ट को प्रथम स्थान का पुरस्कार मिला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। विराज एक्सपोर्ट को पूंजी से एक छोटे से गैराज से अपना व्यवसाय शुरू किया था और अनेक वर्जीनिया, पोर्टलैंड द्वारा मानद डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित किया

परिधान निर्यात श्रेणी में उत्तर प्रदेश सरकार के उद्योग मंत्री नंद गोपाल नंदी द्वारा प्रथम पुरस्कार दिया गया। लखनऊ के क्लार्क अवध में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नंद गोपाल नंदी ने कंपनी के प्रतिनिधियों रोहन भार्गव और विराज भार्गव को यह पुरस्कार प्रदान किया। कंपनी के संस्थापक शिव भार्गव पिछले 55 वर्षों से गारमेंट निर्यात के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने मात्र 4000 की चुनौतियों के बावजूद आज इसे 3000 कर्मचारियों वाले बड़े उद्योग के रूप में स्थापित किया है। कंपनी का लक्ष्य आने वाले तीन से चार वर्षों में 500 करोड़ का कारोबार हासिल करना है। ।नोएडा अपैरल डिजाइन एंड ट्रेनिंग सेंटर की प्रबंध समिति के अध्यक्ष शिव भार्गव कला, पाक-कला, खेल, कविता, लेखन और फोटोग्राफी सहित अनेक क्षेत्रों में विशेष रुचि है। सामाजिक कार्यों की सराहना में उन्हें अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ । वहीं उनकी पत्नी नीरू भार्गव पिछले 20 वर्षों से द्वारा उजाला सोसाइटी फॉर ब्लाइंड नामक एक गैर-सरकारी संस्था संचालित की जा रही है, जो दृष्टिबाधित युवाओं को निःशुल्क आवास, भोजन और शिक्षा से संबंधित पूर्ण आर्थिक सहायता प्रदान करती है, जब तक कि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सम्मानजनक रोजगार प्राप्त न कर लें। अब तक 300 से अधिक युवाओं ने इस संस्था की सहायता से शिक्षा प्राप्त कर चुके है।

भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान के कार्यकाल को एक बर्ष पूर्ण होने पर लोगों ने दी बधाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। में भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने भारी निखारता है इस मौके पर उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त

के जिलाध्यक्ष पद पर महेश चौहान द्वारा 16 मार्च को सफलता पूर्वक एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण करने पर पार्टी कार्यकर्ताओं के अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोगों ने बधाई दी। बधाई का यह दौर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर भी जारी रहा। सोमवार की सुबह महेश चौहान ने परिजनों के साथ छलेरा स्थित शिव मंदिर जाकर भगवान का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रतिदिन की तरह वह समयानुसार नोएडा के सेक्टर-116 स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचे। यहां पर संख्या में भाग लेकर अपने नेता को एक वर्ष का कार्यकाल पूरा करने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस दौरान महेश चौहान ने आम लोगों की समस्याएं सुनकर उसका समाधान करने का प्रयास किया। दोपहर बाद बीजेपी कार्यालय 116 नोएडा पर जिले के सभी कार्यकर्ताओं ने महेश चौहान को मिठाई खिलाकर बधाई दीत जिलाध्यक्ष नोयडा महेश चौहान ने 1 वर्ष पूर्ण होने पर सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने का पाठ पढ़ाया उन्होंने बताया कि संघर्ष ही व्यक्ति की प्रतिभा को किया और सहयोग के लिए धन्यवाद भी दिया। इस दौरान ..... चंदगीराम यादव, अमित त्यागी, गिरीश कोटला, मनीष शर्मा, विनोद शर्मा धर्मेंद्र गुप्ता राजकुमार बंसल, प्रमोद बहल, अमरीश त्यागी,ओमबीर अवाना, रामकिशन यादव, अशोक मिश्रा, सत्यनारायण महावर, दीनबंधु कुमार, पंकज झा, ओम यादव, पुष्पा रावत, मीनाक्षी चौहान, अमित नागपाल, हीरालाल गुप्ता, निधि त्यागी, मधुबाला वैश्य, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित हुए.

नवजात की देखभाल में छोटी गलती भी पड़ती है भारी- डॉ. रश्मि गुप्ता

स्तनपान, सफाई और सही देखभाल से बच सकती हैं कई गंभीर बीमारियां

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नवजात शिशु की देखभाल में थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर बीमारी का कारण बन सकती है। बाल रोग विशेषज्ञों का कहना है कि जन्म के बाद के पहले छह महीने शिशु के जीवन के सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान सही स्तनपान, स्वच्छता और संक्रमण से बचाव ही बच्चे के स्वस्थ भविष्य की नींव रखते हैं। यह बातें फेलिक्स हॉस्पिटल की एमडी और बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. रश्मि गुप्ता ने कहीं। उन्होंने बताया कि जन्म के एक घंटे के भीतर मां का पहला दूध (कोलोस्ट्रम) नवजात के लिए अमृत के समान होता है। इसमें मौजूद एंटीबॉडी बच्चे को कई तरह के संक्रमणों से बचाते हैं। पहले छह महीने तक केवल स्तनपान (एक्सक्लूसिव ब्रेस्टफीडिंग) की सलाह दी जाती है। इससे बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और डायरिया, निमोनिया जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है। नवजात की देखभाल में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। बच्चे को छूने से पहले हाथ धोना, कपड़े साफ रखना और घर का वातावरण स्वच्छ रखना जरूरी है। गंदगी और लापरवाही के कारण नवजात में बैक्टीरियल और वायरल संक्रमण तेजी से फैल सकते हैं। पहले छह महीने की अवधि में बच्चे को बाहर के लोगों के संपर्क से बचाना चाहिए। समय-समय पर टीकाकरण कराना अनिवार्य है। बच्चे को ठंड-गर्मी से बचाना, साफ कपड़े पहनाना और नियमित स्वास्थ्य जांच कराना जरूरी है। नवजात में आमतौर पर डायरिया, निमोनिया, जॉन्डिस (पीलिया), त्वचा संक्रमण और सेप्सिस जैसी बीमारियां देखने को मिलती हैं। नवजात शिशुओं में बीमारियों के मुख्य कारणों में गंदगी

और अस्वच्छ वातावरण, मां का कुपोषण, समय पर स्तनपान न कराना, संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आना और समय पर टीकाकरण न होना शामिल हैं। इन कारणों से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में अभिभावकों को लक्षणों पर विशेष ध्यान देना चाहिए, जैसे तेज बुखार या शरीर का ठंडा पड़ना, दूध न पीना या बार-बार उल्टी होना, सांस लेने में दिक्कत, त्वचा का पीला या नीला पड़ना तथा लगातार रोना या असामान्य सुस्ती। डॉक्टरों के अनुसार, यदि इनमें से कोई भी लक्षण दिखाई दे तो तुरंत बच्चे को अस्पताल ले जाना चाहिए, क्योंकि थोड़ी सी देरी भी गंभीर स्थिति पैदा कर सकती है। नवजात की बीमारी का इलाज हमेशा डॉक्टर की सलाह से ही करना चाहिए, क्योंकि घर पर बिना परामर्श दवा देना खतरनाक साबित हो सकता है। हल्के संक्रमण की स्थिति में भी स्तनपान जारी रखना, साफ-सफाई बनाए रखना और डॉक्टर द्वारा दी गई दवाओं का समय पर सेवन जरूरी है, जबकि गंभीर मामलों में बच्चे को अस्पताल में भर्ती कर उचित इलाज कराना आवश्यक हो जाता है। भारत में नवजात मृत्यु दर का बड़ा कारण संक्रमण और कुपोषण है। हर साल लाखों नवजात शिशु शुरुआती महीनों में ही बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं, जिनमें से अधिकांश मामलों को सही देखभाल से रोका जा सकता है। नवजात की देखभाल में जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। सही जानकारी, समय पर स्तनपान और स्वच्छता अपनाकर बच्चे को स्वस्थ और सुरक्षित रखा जा सकता है। नवजात में दिखने वाले प्रमुख लक्षण- तेज बुखार या शरीर का असामान्य रूप से ठंडा पड़ना, दूध न पीना या बार-बार उल्टी करना, सांस लेने में दिक्कत या तेज/धीमी सांस चलना,त्वचा का पीला (पीलिया) या नीला पड़ना, लगातार रोना या असामान्य सुस्ती, शरीर में झटके (दौरे) आना, पेट फूलना या ढीलापन महसूस होना, आंखों या त्वचा में संक्रमण के लक्षण (लालिमा, पस), पेशाब या मल त्याग में कमी या बदलाव,रोकथाम और बचाव- जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरू करें। केवल मां का दूध 6 महीने तक दें. हाथों और आसपास की सफाई रखें। समय पर टीकाकरण कराएं। बीमार व्यक्ति को बच्चे से दूर रखें। नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं।

गलगोटिया विश्वविद्यालय में बाल संरक्षण कानून पर अंतरराष्ट्रीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गलगोटिया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ में पेंसिल्वेनिया के साथ होने वाले दुर्व्यवहार की परिभाषा और उसकी पहचान, अनिवार्य रिपोर्टिंग (मेंटडेटरी अनुभव अधिक प्रभावी और सहभागितापूर्ण बन गया। प्रोफेसर लूसी ने विश्वविद्यालय की

स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका की प्रोफेसर लूसी जॉनस्टन-वाल्श द्वारा तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। 'यू.एस. चाइल्ड प्रोटेक्शन सिस्टम एंड लॉज़: डिफाइनिंग एब्यूज, मेंडेटरी रिपोर्टिंग एंड लीगल रिप्रेजेंटेशन ऑफ यूथ इन जुवेनाइल कोर्ट प्रोसीडिंग्स' विषय पर आधारित इस पाठ्यक्रम में लगभग 170 विद्यार्थियों तथा अध्यापकों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम के दौरान प्रो. लूसी जॉनस्टन-वाल्श ने अमेरिकी बाल संरक्षण प्रणाली के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बच्चों रिपोर्टिंग) की अवधारणा तथा किशोर न्यायालयों में युवाओं के लिए कानूनी प्रतिनिधित्व की भूमिका जैसे विषयों पर विद्यार्थियों को गहन जानकारी दी। सत्रों में तुलनात्मक दृष्टिकोण भी शामिल किया गया, जिसके माध्यम से प्रतिभागियों को अमेरिका और भारत की बाल संरक्षण प्रणालियों के बीच समानताओं और भिन्नताओं को समझने का अवसर मिला।प्रत्येक सत्र के अंत में संवादात्मक चर्चा आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से प्रश्न पूछे और अपने संदेहों का समाधान प्राप्त किया। इससे पूरा शिक्षण आधारभूत सुविधाओं और छात्रों के लिये एक्टिव लर्निंग इकोसिस्टम की तारीफ की कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों का का आकलन करने के लिए पाठ्यक्रम से संबंधित प्रश्नों वाला एक सत्र आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त, प्रो. लूसी जॉनस्टन-वाल्श के साथ एक विशेष पॉडकास्ट सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने गलगोटिया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ में अपने शिक्षण अनुभव साझा किए तथा विधि शिक्षा में अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की।

फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन एवं माँ फाउंडेशन द्वारा राजेश स्नेह ट्रस्ट में विशेष बच्चों के लिए शिविर आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन द्वारा विशेष बच्चों के महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और उनके परिवारों के लिए कुछ राजेश कुमार (संस्थापक), डॉ. राजेश गुप्ता, अपूर्वा सिंह, डॉ. राम नारायण सिंह, प्रदीप मिश्रा,

पुनर्वास, थेरेपी और अभिभावक प्रशिक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य आवश्यक उपयोगी वस्तुएँ भी भेंट (गिफ्ट) की गईं, जिससे उनके अजय श्रीवास्तव, अनिल गुप्ता, रविकांत जायसवाल, किरण

किया जा रहा है। इसी क्रम में फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन ने माँ फाउंडेशन के सहयोग से राजेश स्नेह ट्रस्ट में विशेष बच्चों (दिव्यांग बच्चों) के लिए एक विशेष चिकित्सा एवं मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के दौरान लगभग 51 बच्चों का मूल्यांकन किया गया तथा उन्हें आवश्यक थेरेपी सेवाएँ प्रदान की गईं।साथ ही बच्चों के अभिभावकों को घर पर किए जाने वाले थेरेपी अभ्यास, बच्चों के समुचित विकास तथा पुनर्वास से संबंधित दैनिक जीवन और देखभाल में सहायता मिल सके। इस अवसर पर डॉ. माहिपाल सिंह (फिजियोथेरेपिस्ट), डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव (ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट) और डॉ. त्रिभुवन सिंह (फिजियोथेरेपिस्ट) ने मरीजों का उपचार किया तथा बच्चों के अभिभावकों को होम प्रोटोकॉल और घर पर किए जाने वाले थेरेपी अभ्यासों के बारे में मार्गदर्शन भी दिया, जिससे बच्चों के विकास और पुनर्वास में निरंतर सुधार हो सके। कार्यक्रम में विशेष शिक्षिका हेमा वर्मा, डॉ. शरद साहू, पंकज सिंह तथा रेखा त्रिपाठी (राजेश स्नेह ट्रस्ट) भी उपस्थित रहे।माँ फाउंडेशन के संस्थापक दीपक सिंह की इस पहल में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

सभी संस्थाओं के संयुक्त प्रयास से यह कार्यक्रम विशेष बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। आयोजकों ने भविष्य में भी इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक बच्चों तक सहायता पहुँचाने का संकल्प व्यक्त किया।

साइटसेवर्स इंडिया व ईश्वर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। साइटसेवर्स इंडिया द्वारा राही नेशनल ट्रकर्स प्रोग्राम के अंतर्गत ईश्वर चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, दादरी में एक विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम वाईएसएस फाउंडेशन के मार्गदर्शन में तथा गौतम बुद्ध नगर पुलिस के रोड सेफ्टी प्रभारी कपिल धामा के सहयोग से संपन्न हुआ। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ट्रक चालकों, कर्मचारियों और आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित यातायात के महत्व को समझाना था। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को यातायात नियमों के

पालन, वाहन चलाते समय सावधानी, सुरक्षित गति, सीट बेल्ट के उपयोग तथा सड़क पर जिम्मेदार व्यवहार के बारे में जानकारी दी गई। अभियान में सड़क सुरक्षा इनचार्ज कपिल धारा ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का विषय नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। जागरूकता, अनुशासन और सतर्कता के माध्यम से ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों ने सड़क सुरक्षा के संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस प्रकार के अभियान समाज में सुरक्षित और जिम्मेदार यातायात संस्कृति विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सफाईकर्मियों की गिरफ्तारी पर सपा प्रतिनिधिमंडल ने एसीपी-2 को सौंपा ज्ञापन, रिहाई न होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। में सफाईकर्मियों की गिरफ्तारी के मामले मे आज की समीक्षा करने और उचित कानूनी प्रक्रिया के बाद सफाईकर्मियों की जल्द रिहाई

समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में (एसीपी-2) से मिला और गिरफ्तार किए गए सफाईकर्मियों की तत्काल रिहाई की मांग की।पार्टी के नेताओं ने पुलिस प्रशासन के समक्ष अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता और विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान ने कहा कि सफाईकर्मी अपनी जायज मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, और उनकी गिरफ्तारी अनुचित है और प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बातचीत में एसीपी-2 ने मामले का आश्वासन दिया। महासचिव विकास यादव वह गौरव यादव ने कहा कि यदि प्रशासन अपने वादे के अनुसार सफाईकर्मियों को जल्द रिहा नहीं करता है, तो नोएडा समाजवादी पार्टी सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगी।वे सफाईकर्मियों के हक की लड़ाई में उनके साथ हैं और किसी भी तरह के दमन को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उपस्थित मुख्य लोगों में डॉ. आश्रय गुप्ता, विकास यादव, संजय दिगान, गौरव यादव,बबलू चौहान, उदयसिंह जाटव, राणा मुखर्जी, शेखर यादव, अनेक सिंह प्रधान, सतवीर यादव, सिकंदर।

यूपी के डिप्टी सीएम ने किया सीतापुर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का अचौक निरीक्षण

आधुनिक समाचार नेटवर्क सीतापुर। प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने सीतापुर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र , सिधौली में स्वास्थ्य सेवाओं के स्थलीय निरीक्षण किया एवं इस दौरान चिकित्सकीय व्यवस्थाओं, दवाओं की उपलब्धता, साफ़-सफाई एवं मरीजों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी भी ली।

'24 मार्च की जन आक्रोश रैली से पहले उबाल,नोएडा में मजदूरों के बीच उतरे सीटू-सीपीएम, आंदोलनों को मिला जोरदार समर्थन'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। मेहनतकशों की लूट एवं सांप्रदायिक- कारपोरेट परस्त प्राधिकरण पर आंदोलनरत सफाई कर्मचारियों के धरने में पहुंची और उनके आंदोलन एवं मांगों का समर्थन किया। सफाई कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सीटू के जिला सचिव गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण ठेकेदारों के माध्यम से कर्मचारियों का शोषण एवं उत्पीड़न कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपने

नीतियों के खिलाफ 24 मार्च 2026 को रामलीला मैदान, दिल्ली में आयोजित होने वाली माकपा की जन आक्रोश रैली की तैयारी के तहत आज दिनभर सीपीआई(एम), जनवादी महिला समिति एवं सीटू कार्यकर्ताओं द्वारा व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में नुक्कड़ सभाएं, जनसभाएं तथा पर्चा वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए।सेक्टर-10 नोएडा की झुग्गी बस्ती में आयोजित जनसभा को सीपीएम नेता कामरेड अनुराग सक्सेना, राजीव कुंवर, रामसागर, भीखू प्रसाद आदि ने संबोधित किया। वक्ताओं ने केंद्र की मोदी सरकार की मजदूर एवं किसान विरोधी नीतियों पर तीखा प्रहार करते हुए आम जनता से 24 मार्च की जन आक्रोश रैली में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। अभियान के क्रम में सीटू नेता राम स्वारथ, गंगेश्वर दत्त शर्मा एवं रामसागर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं की टीम नोएडा अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाले कर्मचारियों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है, जिसकी उन्होंने कड़ी निंदा की। उन्होंने मांग की कि गिरफ्तार कर्मचारियों को बिना शर्त तत्काल रिहा किया जाए तथा ठेका प्रथा समाप्त कर सभी श्रमिकों को स्थायी किया जाए। इसके अतिरिक्त, उप श्रमायुक्त की मनमानी के विरोध में एवं श्रमिकों की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर श्रम कार्यालय, सेक्टर-3 नोएडा पर चल रहे संयुक्त ट्रेड यूनियन मोर्चा के धरने को भी सीटू कार्यकर्ताओं ने समर्थन दिया और वहां उपस्थित श्रमिकों को संबोधित किया। सीटू जिला कमेटी, गौतम बुद्ध नगर ने सभी मेहनतकशों, कर्मचारियों, महिलाओं एवं युवाओं से अपील की है कि वे 24 मार्च 2026 को रामलीला मैदान में आयोजित जन आक्रोश रैली में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपनी आवाज बुलंद करें।

समाधान दिवस सम्भव का आयोजनः 23 शिकायतों का निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन

शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र एवं मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। तत्क्रम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 2, नगर पंचायत घोरावल में 2, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 3, नगर पंचायत चोपन में 1, नगर पंचायत ओबर में 4, नगर पंचायत रेनुकूट में 1, नगर पंचायत पिपरी में 3, नगर पंचायत दुद्धी में 3, नगर पंचायत डाला बजार में 2, नगर पंचायत अनपरा में 2, समस्त निकायों में कुल 23 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता-मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र, द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है। वही अध्यक्ष ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि गर्मी को देखते हुए वार्ड के जनता द्वारा शिकायत मिलने पर तत्काल व्यवस्था कराई जाए इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है। इस अवसर पर जेई राज कुमार राज, सभासद अनवर अली, अशोक कुमार, राकेश कुमार,अजित सिंह, सुजीत कुमार, राजीव, अमित दुबे आदि उपस्थित रहें।

कुपोषण मुक्ति अभियान का आयोजन हुआ किट वितरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। ग्रासिम

इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट द्वारा चलाया गया कुपोषण मुक्ति अभियान के तहत द्वितीय चरण का पोषण किट कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट के इकाई प्रमुख मनीष गर्ग, मानव संसाधन प्रमुख राजीव दुबे, कर्मचारी संबंध प्रमुख राकेश कुमार, के मार्गदर्शन में संचालित सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को उड़ान सेवा ट्रस्ट के माध्यम से म्योरपुर ब्लाक के खैराही कुशमाह किरवानी में पोषण किट वितरण किया गया। पोषण किट वितरण कार्यक्रम- इस वितरण कार्यक्रम में ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट सीएसआर अधिकारी चांदनी निर्मल , अर्चना तिवारी, उड़ान सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष मीनू चौबे आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं सरिता, आशा ने मिलकर के संपन्न किया। इस कार्यक्रम में चयनित कुपोषित बच्चों को उनकी माता को आमंत्रित करके पोषण किट वितरण किया गया।

महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता जरूरी-डॉ. चारु द्विवेदी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण सुनिश्चित करने हेतु मिशन शक्ति

5.0 के अंतर्गत जनपद में व्यापक जागरूकता अभियान संचालित किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. चारु द्विवेदी (सहायक नोडल अधिकारी, मिशन शक्ति 5.0)के नेतृत्व में समस्त थाना क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद स्थापित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। अभियान के दौरान गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक प्रावधानों, हेल्पलाइन सेवाओं एवं साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा को सुदृढ़ करने हेतु जनपद के विभिन्न बाजारों में एसिड/तेजाब विक्रय करने वाली दुकानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। दुकानदारों को विधिक प्रावधानों की जानकारी देते हुए बिना वैध पहचान पत्र एवं अभिलेख के एसिड विक्रय न करने के निर्देश दिए गए।महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर- 112 - आपातकालीन सेवा- 1090 / 1091 - महिला सुरक्षा हेल्पलाइन- 181 - महिला हेल्पलाइन- 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन- 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन हैं।

कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल मृतक आर्यन के पिता से मिला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रामगढ़ बाजार में पिछले

दिनों हुई 12 साल के युवक आर्यन गुप्ता की गला रेत कर हुई जघन्य और हृदय विधायक घटना में कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड के नेतृत्व में मृतक आर्यन के पिता राजू गुप्ता से मिला और घटना के बाबत पूरी जानकारी ली। कांग्रेस पार्टी मृतक के परिवार के साथ खड़ी- इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने मृतक के पिता को आश्वासन दिलाया कि इस दुख की घड़ी में पूरी कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है और न्याय की लड़ाई में उनके साथ सदैव रहेगी। जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने कहा कि एक तरफ उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ जी की पुलिस कानून व्यवस्था का ढिंढोरा पीटती है वहीं पुलिस इस तरीके की घटना को रोकने में नाकाम है। प्रशासन से मुआवजे की मांग-जिला अध्यक्ष ने प्रशासन से यह मांग की की घटना में मृतक आर्यन के पिता राजू गुप्ता की आर्थिक स्थिति बहुत ही कमजोर है और इतनी बड़ी घटना हो जाना उनको दुखों का पहाड़ दे जाती है ऐसे में उनको प्रशासनिक मदद मुआवजे के तौर पर मिलनी चाहिए। प्रतिनिधि मंडल में शामिल रहे-प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव विधानसभा रावटसगंज के पूर्व प्रत्याशी कमलेश ओझा, सोनभद्र के पूर्व शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी, जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव दया शंकर पांडे आरटीआई विभाग के जिला अध्यक्ष श्रीकांत मिश्रा, रामगढ़ बाजार के पूर्व नगर अध्यक्ष मोहम्मद वसीम अंसारी, चतरा ब्लॉक के अध्यक्ष सुनील कुमार मिश्रा जी शामिल रहे।

सोनभद्र - जीवन जीने की कला है योग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आज स्वस्थ शरीर के

लिए अध्ययन योगा क्लास का शुभारम्भ किया गया। योगा क्लास में बच्चों के साथ साथ महिलाओ ने भी भाग लिया । योग शिक्षक द्वारा बताया गया की स्वास्थ्य शरीर के लिए योग बहुत लाभदायक सिद्ध होता है। योग को प्रतिदिन जीवन में लाना चाइये । योग के नियमित अभ्यास से शारीरिक लचीलापन, शक्ति और संतुलन में सुधार होता हैं, साथ ही तनाव (कॉर्टिसोल) कम होकर मानसिक शांति मिलती है। यह हृदय स्वास्थ्य को सुधारने, रक्तचाप को नियंत्रित करने, वजन घटाने, और नींद की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में बहुत फायदेमंद है, जो सर्वांगीण स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। मानसिक लाभ,तनाव, चिंता और अवसाद को कम करने में सहायक है, जिससे मन शांत और एकाग्र होता है। यह रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल को कम करके दिल को स्वस्थ रखता है। पाचन क्रिया में सुधार और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। योग हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। नियमित योग अभ्यास तनाव और शरीर में सूजन को कम कर सकता है, जिससे हृदय स्वस्थ रहता है। अध्ययन योगा क्लासेज में जनरल फिटनेस योगा, वेट लूज़ योगा, मैडिटेशन, किड्स योगा, फेस योगा आदि का शुभारम्भ किया गया हैं। इस अवसर पर कौशाम्बी सिंह, रोशनी, दिव्या गौतम, कनक, ममता वर्मा उपस्थित रहे।

उद्योग व्यापार संगठन के बैनर तले सोमवार को नगर स्थित पृथ्वी बैंक्विट में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के बैनर तले सोमवार की शाम नगर स्थित पृथ्वी बैंक्विट में होली मिलन समारोह का भव्य

आयोजन किया गया इस अवसर पर बतौर अतिथि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पंडित अजय शेखर ,वर्तमान विधायक सदर भूपेश चौबे, पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने अतिथियों का माल्यार्पण कर एवं नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन ने अंग वस्त्र प्रदान कर अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर नगर के व्यापारियों में अलग ही उत्साह देखने को मिला लोगों ने एक दूसरे को रंग- गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी एक दूजे से गले मिलकर अभिवादन करने के साथ ही फागुनी रंग की बयार में मदमस्त भाव से गीत -संगीत के बीच गोते लगाते रहे लोग होली आई रे कन्हाई एवं होली के दिन दिल खिल जाते हैं रंगों में रंग मिल जाते हैं जैसे गीतों पर थिरकता नजर आया पूरा समूह। इस अवसर पर संगठन के जिला अध्यक्ष ने अपने स्वागत भाषण में पदाधिकारीयों को साधुवाद देते हुए कहा कि कर्मठ एवं समर्पित पदाधिकारीयों के कारण ही हमारा संगठन निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है उन्होंने पदाधिकारीयों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आपके नेतृत्व से हमें नई ऊर्जा, नई दिशा और आगे बढ़ने का साहस प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि बसंत आ गया है इसमें उमंग है, रंग है ,स्वर है, सुगंध है, रंग फूलों में है, स्वर कोयल की कुंजन में है, और सुगंध आम्र की मंजरी व पेड़ पौधों की डालियों पर इठलाते खिलखिलाते पुष्प विखेर रहे हैं इन सबको अपने साथ लेकर बसंत ने अपनी छवि-छटा बिखेरी है, बहार व बयार बहाई हैं। उन्होंने मध्य पूर्व एवं पश्चिमी देशों के बीच चल रहे युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि बसंत की इसी मादकता के साथ रुदन एवं क्रंदन का भी एहसास होने लगा है धरती में धुआं छाया है, गगन में कुहासा है, और मानव मन उदास है, संभवत इसीलिए क्योंकि अंततः प्रकृति की ऊर्जा अभी भी कहीं अवरुद्ध है अभी तक वहां बसंत का आगमन नहीं हो सका है बलिदान की उमंग, तप के चटक रंग विवेक के स्वर व वैराग्य की सुगंध नहीं प्रसारित हो सकी है जब तक ऐसा ना हो पाएगा वसंत पूर्ण ना होगा एक अधूरापन एक अपूर्णता समूचे वातावरण को विषाक्त व विषाद ग्रस्त बनाए रखेगी। रक्त की छींटे यूं ही उड़ते रहेंगे प्रकृति यूं ही रूठी रहेगी आचरण के दोष, विचारों के विकार, हमें से किसी को भी बसंत की बहार एवं बयार में आनंदित नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि होली आपसी भाईचारा प्रेम सौहार्द का त्यौहार है होली के रंग उत्साह एवं उमंग के प्रतीक हैं। बसंती उल्लास की रसधार में भीगने व भिगोने का नाम फगुआ है। और इस समय प्रकृति अपने साथ नए अनुदानों के रंग एवं नए आशीषों की महक लेकर आता है जिसके आगमन से प्रकृति पुलकित, पल्लवित वह पुष्पित हो उठती है बासंतिक परिधान में सज संवरकर। उन्होंने कहा कि यह सुअवसर है प्रकृति की यह खुशी पुष्प पलाश के चटक रंगों संग सरसों के बसंती परिधानों से छलक उठी हैं धरा। बसंत की इस अनुपम स्वागत में भ्रमरगीत से अभिगुंजित होते दिख रहे हैं जो कोयल के पंचम सुर और वह प्रकृति के सप्तम स्वर मानव संग-संग लयबद्ध हो रहे हो तथा नव पल्लव नूतन परिवेश में झंकृत हो उठे हैं नवगति- नवलय के आच्छादन से। नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सम्मानित अतिथियों व्यापारी साथियों, पदाधिकारीयों तथा पत्रकार बंधुओ की गरिमामय उपस्थित ने इस कार्यक्रम को सफल और यादगार बना दिया आप सभी का हृदय से आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। इस अवसर पर प्रितपाल सिंह, शरद जायसवाल, धर्मराज सिंह, राजू जायसवाल, रवि जायसवाल, जसकीरत सिंह, यशराज सिंह, सिद्धार्थ सांवरिया, सूर्या जायसवाल ,दीप सिंह पटेल, नागेंद्र मोदनवाल, कुशाग्र शर्मा, धर्मेंद्र प्रजापति, अभिषेक सोनी, पंकज कनोडिया, विनोद कनोडिया, नवीन अग्रवाल, जसपाल सिंह, प्रमोद गुप्ता, अमित वर्मा, शिवम केसरी, प्रति केसरी, दिलकरन सिंह, सुनील सरोज, कृष्णा सोनी, अमित जायसवाल, प्रदीप जायसवाल, अंकित सिंघल, रामजी मोदनवाल, मंटू केसरी, गुरप्रीत सिंह सोखी, भारतीय जनता पार्टी की महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पुष्पा सिंह, गुड़िया, सुमन केसरी आदि लोग उपस्थित रहे।

राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज में मूल्यांकन हेतु प्रशिक्षण सम्पन्न

18 मार्च से शुरू हो रहा यूपी बोर्ड परीक्षा के उत्तर पुस्तिकाओ का मूल्यांकन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पी एम श्री राजकीय

बालिका इण्टर कॉलेज राबर्ट्सगंज में शासन के आदेश के क्रम में परिषदीय परीक्षा-2026 के मूल्यांकन में नियुक्त उप प्रधान परीक्षको का प्रशिक्षण मगलवार को प्रातः 10:00 बजे से 12:00 के मध्य सम्पन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं उप नियंत्रक डॉ रंजना शुक्ला, परीक्षा सहायक बंदना सिंह एवं चंदा यादव प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रही। उप-प्रधान परीक्षकों को उनके दायित्वों के बारे में विस्तार से बताया गया एवं अपेक्षा की गई की शासन की मंशा के अनुसार सतर्कतापूर्वक मूल्यांकन कार्य परीक्षकों के साथ मिलकर सम्पन्न कराया जाए। प्रशिक्षण के दूसरे चरण में अपराह्न 1:00 बजे से 3:00 बजे के मध्य मूल्यांकन में परीक्षक और अंकेक्षक के रूप में नियुक्त शिक्षक/शिक्षिकाओं का प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ जिसमें लगभग सभी परीक्षक और अंकेक्षक उपस्थित रहे। परीक्षकों को सम्बोधित करते हुए उप नियंत्रक डॉ रंजना शुक्ला ने बताया कि इस बार मूल्यांकन कक्ष एवं मूल्यांकन केन्द्र पर मोबाइल पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेगा। शासन के दिए गए निर्देशों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। बंदना सिंह ने परीक्षकों को संबोधित करते हुए सुझाव दिया कि अपने सम्मान और गरिमा को कायम रखने हेतु पूरी संवेदनशीलता एवं गम्भीरता से मूल्यांकन कार्य करें जिससे कि बोर्ड द्वारा किसी प्रकार के प्रतिकूल स्थिति का सामना न करना पड़े। चंदा यादव ने कहा कि बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से मूल्यांकन कार्य हम सभी को करना होगा। इस मौके पर निशा सिंह, भावना रानी, सीमा, अर्चना, नेहा आदि उपस्थित रहे।

रोजगार सेवकों के बकाया मानदेय के भुगतान के लिए कांग्रेस जनों ने राष्ट्रपति के नाम सोपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष

रामराज सिंह गोंड के नेतृत्व में सोनभद्र कांग्रेस जनों ने जनपद के रोजगार सेवकों के बकाया मानदेय का भुगतान करने के लिए राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिला विकास अधिकारी के प्रतिनिधि को सोपा।ज्ञापन सौंपने के पूर्व बड़ी संख्या में कांग्रेस जन सीडीओ कार्यालय के सामने सीढीओ पर बैठकर धरना प्रदर्शन एवं सभा किया। सभा में वक्ताओं ने एक स्वर से तत्काल रोजगार सेवकों तथा मनरेगा के मजदूरों की बकाया मजदूरी अभिलंब भुगतान करने की मांग की। भाजपा सरकार मजदूरों के हक हकुकों पर डाका डाल रही है. रामराज गोंड ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार एवं उत्तर प्रदेश की योगी सरकार मजदूर के हक हकुकों पर डाका डाल रही है। मजदूरों की समय से मजदूरी का भुगतान न करके उनके सामने गरीबी का घोर संकट पैदा कर दिया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के कोऑर्डिनेटर राजीव त्रिपाठी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार शीघ्र ही रोजगार सेवकों के मानदेय एवं मनरेगा के मजदूरों की मजदूरी का भुगतान नहीं करती तो प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार हम कांग्रेस जन बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड, प्रदेश कोऑर्डिनेटर राजीव त्रिपाठी, बृजेश तिवारी, राजबली पांडे, कन्हैयालाल पांडे, आशुतोष दुबे, बाबूलाल पानिका, राहुल पटेल, लल्लू राम पांडे, आशीष कुमार सिंह, पंकज मिश्रा, राहुल जैन, श्रीकांत मिश्रा, प्रदीप चौहान, मंजू देवी, स्वतंत्र साहनी, तामेश्वर तिवारी, दया राम प्रजापति, आदि लोग उपस्थित रहे।

होली मिलन समारोह में उमड़ा व्यापारियों का हुजूम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के बैनर तले सोमवार की शाम नगर स्थित एक लान में होली

मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर अतिथि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पंडित अजय शेखर, विधायक सदर भूपेश चौबे, पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने अतिथियों का माल्यार्पण कर एवं नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन ने अंग वस्त्र प्रदान कर अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर नगर के व्यापारियों में अलग ही उत्साह देखने को मिला। लोगों ने एक दूसरे को रंग- गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। एक दूजे से गले मिलकर अभिवादन करने के साथ ही फागुनी रंग की बयार में मदमस्त भाव से गीत -संगीत के बीच गोते लगाते रहे लोग। जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि व्यापारी देश का मजबूत स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि बसंत आ गया है, इसमें उमंग है, रंग है, स्वर है, सुगंध है। रंग फूलों में है, स्वर कोयल की कुंजन में है, और सुगंध आम्र की मंजरी व पेड़ पौधों की डालियों पर इठलाते खिलखिलाते पुष्प विखेर रहे हैं। उन्होंने कहा कि होली का त्योहार भाईचारे का प्रतीक है। यह सुअवसर है प्रकृति की यह खुशी पुष्प पलाश के चटक रंगों संग सरसों के बसंती परिधानों से छलक उठी है धरा। बसंत की इस अनुपम स्वागत में भ्रमरगीत से अभिगुंजित होते दिख रहे हैं जो कोयल के पंचम सुर और वह प्रकृति के सप्तम स्वर मानव संग-संग लयबद्ध हो रहे हो तथा नव पल्लव नूतन परिवेश में झंकृत हो उठे हैं नवगति- नवलय के आच्छादन से।

सात दिवसीय शिविर समाप्त, समाज जागरूकता का संकल्प लिया,सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता का संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शक्तिनगर। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर शक्तिनगर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम एवं तृतीय के तत्वाधान में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर (दिन- रात) मगलवार को स्वयंसेवकों द्वारा समाज सेवा और जनजागरूकता के संकल्प के साथ समाप्त हुआ।समापन समारोह में स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर पारंपरिक गीत एवं नृत्य के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी डॉ0

विनोद कुमार पाण्डेय द्वारा सात दिवसीय शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया और इस संबंध में स्वयंसेवकों के सुझावों को स्थानीय प्रशासन तक पहुंचाने का प्रस्ताव पेश किया गया। इस दौरान शिविर में भाग ले रहे स्वयंसेव हिमांशु कुमार गुप्ता, अंजना पूर्ति, प्रभा सोंधिया और प्रिया कुमारी अग्रहरि को वेस्ट वॉलिंटियर सम्मान दिया गया। इसके साथ ही अन्य स्वयंसेवकों को भी विभिन्न गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। समारोह में समाजसेवी अभिषेक द्विवेदी को भी सम्मानित किया गया। अभिषेक ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना की उक्त दोनों इकाइयां पिछले तीन वर्षों से चिल्काडांड ग्राम में जन जागरूकता के लिए अपना बहुमूल्य समय दे रही हैं और अब इसका प्रभाव भी देखने को मिल रहा है।

छोटे बच्चों में बढ़ रहा फैटी लिवर,बच्चों की फूड हैबिट पर ध्यान दें, पिज्जा, बर्गर, नूडल्स, चिप्स, चॉकलेट न खिलाएं

नयी दिल्ली। भारत सरकार की रिपोर्ट 'चिल्ड्रन इन इंडिया 2025' के मुताबिक, भारत के 5-9 साल के बच्चों में से एक तिहाई

यानी करीब 33फीसदी बच्चों को हाई ट्राइग्लिसराइड्स की समस्या हो सकती है। ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं। आमतौर पर ये समस्या वयस्कों को होती है और मोटे लोगों को अधिक होती है। अब बच्चे भी इसका शिकार हो रहे हैं। अगर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो इन बच्चों को भविष्य में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इससे फैटी लिवर, हार्ट डिजीज, डायबिटीज, हाई बीपी जैसी बीमारियां हो सकती हैं। अगर बच्चा बहुत चिप्स, नमकीन खाता है। कोल्ड ड्रिंक पीता है या घंटों तक मोबाइल लेकर बैठा रहता है। तो यह और भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है। हालांकि, थोड़ी कोशिश करके ट्राइग्लिसराइड्स का लेवल नॉर्मल किया जा सकता है। ट्राइग्लिसराइड्स क्या है? बच्चों में इसका नॉर्मल लेवल क्या है? इसके लक्षण कैसे पहचानें, कैसे कंट्रोल करें? ट्राइग्लिसराइड्स शरीर में एक तरह का फैट है। ये खाने में मौजूद फैट, जैसे घी, तेल, मक्खन से आता है। साथ ही, अगर हम ज्यादा कैलोरी वाली चीजें खाते हैं - जैसे चॉकलेट, सोडा या ज्यादा चावल-रोटी तो शरीर इन्हें ट्राइग्लिसराइड्स में बदलकर स्टोर कर लेता है। ये

बाद में एनर्जी के लिए इस्तेमाल होते हैं। अगर ये ज्यादा जमा हो जाएं, तो ब्लड वेसल्स में चिपक जाते हैं, जो दिल की धमनियों को ब्लॉक कर सकते हैं। इससे फैटी लिवर की समस्या हो जाती है। बच्चों के लिए ट्राइग्लिसराइड्स का नॉर्मल लेवल क्या है? 10 साल से कम उम्र के बच्चों में ये 75 एमजी/डीएल से कम होना चाहिए। 10-19 साल के किशोरों में 90 एमजी/डीएल से कम होना चाहिए। अगर 10 साल के बच्चे में 100 एमजी/डीएल से ज्यादा है तो ये हाई लेवल माना जाता है। ट्राइग्लिसराइड्स लेवल ब्लड टेस्ट से पता चलता है, जो 8-12 घंटे फास्टिंग के बाद किया जाता है। बच्चों में क्यों बढ़ रहा है ट्राइग्लिसराइड्स? 'चिल्ड्रन इन इंडिया 2025' रिपोर्ट के अनुसार, 5-9 साल के 33फीसदी बच्चों में

ट्राईग्लिसराइड्स लेवल हाई पाया गया है। इससे 16फीसदी से ज्यादा किशोर प्रभावित हैं। भारत में बच्चों में ये समस्या तेजी से बढ़ रही है आजकल बच्चे जंक फूड ज्यादा खा रहे हैं। वे ज्यादातर समय बर्गर, पिज्जा और कोल्ड ड्रिंक्स पर निर्भर रहते हैं। स्क्रीन टाइम बढ़ गया है और बाहर खेलना या आउटडोर एक्टिविटीज बहुत कम हो गई है। इसके पीछे मोटापा भी बड़ा कारण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रीमैच्योर बर्थ वाले बच्चे या कम वजन वाले बच्चे भी रिस्क में हैं। प्रदूषण और फैमिली हिस्ट्री भी असर डालती है। ये सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं है, गांवों में भी इसका आंकड़ा बढ़ रहा है। ज्यादातर मामलों में बच्चों में इसके स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते हैं। ये 'साइलेंट किलर' की तरह काम करता है। लेकिन कभी-कभी त्वचा पर पीले-चिकने दाने निकल आते हैं। ये दाने अक्सर आंखों के पास या कोहनी पर होते हैं। अगर लेवल बहुत हाई है, जैसे, 500 एमजी/डीएल से ज्यादा है तो तो पेट दर्द या पैंक्रियाटाइटिस (अग्नाशय में सूजन) हो सकता है, जो जानलेवा साबित हो सकता है। अगर बच्चा बहुत थकान महसूस करता है, सांस फूलती है या वजन तेजी से बढ़ रहा है तो सतर्क हो जाएं। सबसे अच्छा तरीका है कि रेगुलर ब्लड टेस्ट करवाएं। 9-11 साल की उम्र में पहला टेस्ट जरूरी है। अगर फैमिली में किसी को हाई कोलेस्ट्रॉल है, तो बच्चों में 2 साल की उम्र से ही चेक करवाना चाहिए। ट्राइग्लिसराइड्स जेनेटिक और लाइफस्टाइल दोनों कारणों से हाई हो सकता है। बच्चों में मुख्य कारण ओबिसिटी, अनकंट्रोल्ड डायबिटीज, थायरॉइड की समस्या, किडनी या लिवर डिजीज है। डाइट में ज्यादा चीनी, रिफाइंड कार्ब्स और सैचुरेटेड फैट्स बड़ा रोल निभाते हैं। एक्सरसाइज की कमी से भी ये जमा हो सकता है। समय से पहले जन्म या कम वेट वाले बच्चों को ज्यादा रिस्क होता है। फैमिली हिस्ट्री, स्टेरॉयड्स या इन्फेक्शन के कारण भी हो सकता है। बच्चों में हाई ट्राइग्लिसराइड्स उन्हें बचपन में उतना प्रभावित नहीं करता है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ यह खतरनाक होता जाता है। इससे कोरोनरी आर्टरी डिजीज, स्ट्रोक, टाइप-2 डायबिटीज, हाई बीपी, ओबेसिटी और पेरिफेरल आर्टरी डिजीज का रिस्क बढ़ सकता है। लंबे समय तक रहने पर पैंक्रियाटाइटिस हो सकता है, ये बहुत दर्दनाक होता है और मौत का कारण बन सकता है। अगर अभी कंट्रोल न किया गया तो 30 साल से कम उम्र में ही बच्चा हार्ट अटैक का शिकार हो सकता है। रिपोर्ट में 5फीसदी किशोरों में हाई बीपी भी पाया गया, जो दिल्ली में 10फीसदी तक है। ये सब मिलकर बच्चों की एक्टिव लाइफ छीन सकता है। हालांकि, जल्दी डाइग्नोज करने से 80फीसदी रिस्क कम हो जाता है। अगर बच्चे में हाई ट्राइग्लिसराइड्स डाइग्नोज हुआ है तो घबराएं नहीं। ये कंट्रोल हो सकता है। डॉक्टर से एक्शन प्लान बनवाएं। रेगुलर टेस्ट और मॉनिटरिंग करें। यह ध्यान रखें कि इसमें दवाओं से ज्यादा रोल लाइफस्टाइल का है। डाइट में बदलाव करें, चीनी कम दें या बिल्कुल न दें और जंक फूड्स न दें। बच्चों को क्या खाने को नहीं देना है, पूरी लिस्ट ग्राफिक में है। डॉ. सुनील सरीन कहते हैं कि अगर लाइफस्टाइल सही कर ली तो ये समस्या भी खत्म हो जाएगी। यह देख लिया है कि क्या खाने को नहीं देना है। अब करना क्या है? खाने में फल-सब्जियां, दलिया और मोटा अनाज ज्यादा शामिल करें। ओमेगा-3 रिच फूड्स जैसे अलसी के बीज दें। रोज 30-60 मिनट खुले मैदान में खेलने दें, साइकिलिंग करवाएं, स्विमिंग करवाएं। टीवी-स्क्रीन टाइम कम करें। ध्यान दें कि वजन कंट्रोल में बना रहे। अगर बच्चा नवजात है अगर प्रीमैच्योर बेबी है तो ब्रेस्ट मिल्क दें, जो नेचुरल फैट बैलेंस करता है। डॉक्टर की सलाह से जरूरी सप्लीमेंट्स लें। ट्राइग्लिसराइड्स से जुड़े कुछ आम सवाल और जवाब- सवालः बच्चों में ट्राइग्लिसराइड्स क्यों बढ़ रहा है? जवाबः ज्यादातर जंक फूड, कम एक्सरसाइज और मोटापे से ये समस्या बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, 33फीसदी 5-9 साल के बच्चे प्रभावित हैं। प्रीमैच्योर बर्थ भी वजह है। सवालः लक्षण न दिखने पर इसका पता कैसे चल सकता है? जवाबः ब्लड टेस्ट आसान तरीका है। 9-11 साल में पहला चेकअप करवाएं। अगर फैमिली हिस्ट्री हो तो 2 साल से शुरू करें।सवालः जन्म के समय किन कारणों से इसका रिस्क बढ़ता है? जवाबः प्रीमैच्योरिटी या लो बर्थ वेट से रिस्क बढ़ता है। ब्रेस्टफीडिंग से बचाव। डॉक्टर मॉनिटर करें। बच्चों का स्वास्थ्य हमारी जिम्मेदारी है। एक छोटा सा बदलाव करें, जैसे जैसे शाम को पार्क ले जाना या घर पर सलाद बनाना, उनके भविष्य को संवार सकता है। अगर आपको हाई ट्राइग्लिसराइड्स का शक हो, तो आज ही डॉक्टर से बात करें। याद रखें कि प्रिवेंशन इलाज से बेहतर उपाय है।

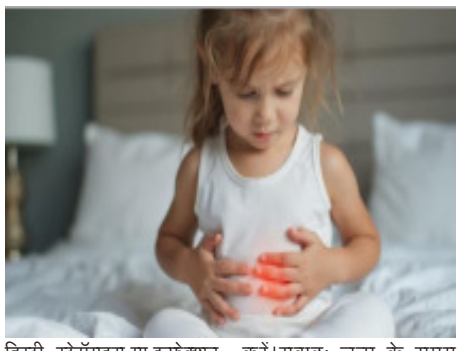

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण अर्जेंटीना-स्पेन के बीच होने वाला फाइनालिसीमा मैच रद्द,कतर में 27 मार्च को नहीं होगा मुकाबला

क़तर। अर्जेंटीना और स्पेन के बीच होने वाला फाइनलिसिमा

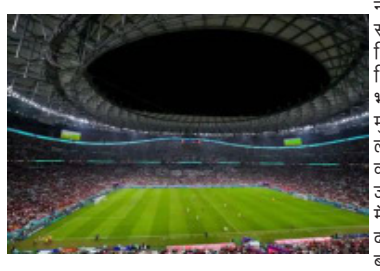

मुकाबला रद्द कर दिया गया है। यूरोपीय फुटबॉल संघ ने कहा कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते युद्ध और सुरक्षा हालात को देखते हुए यह फैसला लिया गया। यह मैच 27 मार्च को कतर की राजधानी दोहा में खेला जाना था। इसमें साउथ अमेरिका की चैंपियन अर्जेंटीना और यूरोप की चैंपियन स्पेन आमने-सामने होने वाली थीं। मुकाबले को लियोनेल मेस्सी और लामिन यामल की टीमों के बीच बड़ा मैच माना जा रहा था।मिडिल ईस्ट में ईरान और उसके पड़ोसी देशों के बीच जारी संघर्ष और अमेरिका-इजरायल के हवाई हमलों के कारण क्षेत्र में स्थिति काफी तनावपूर्ण बनी हुई है। पिछले तीन हफ्तों से जारी इस तनाव के बीच कतर में मैच कराना जोखिम भरा माना गया। युइएफ़ए ने कहा कि कतर के आयोजकों के साथ चर्चा के बाद मौजूदा राजनीतिक स्थिति को देखते हुए 27 मार्च को कतर में मैच कराना संभव नहीं है। यह मुकाबला लुसैल स्टेडियम में होना

था। इसी मैदान पर 2022 वर्ल्ड कप का फाइनल खेला गया था, जिसमें अर्जेंटीना ने फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में हराकर खिताब जीता था। उस मैच में मेस्सी ने दो गोल किए थे, जबकि किलियन एम्बाप्पे ने हैट्रिक लगाई थी।मैच को दूसरे स्थान पर कराने के विकल्प भी देखे गए। मैड्रिड के सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम में मैच कराने का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने इसे स्वीकार नहीं किया। एक विकल्प यह भी था कि मुकाबला दो लेग में कराया जाए। पहला मैड्रिड में और दूसरा ब्यूनस आयर्स में। इस प्रस्ताव पर भी सहमति नहीं बन सकी। बाद में युइएफ़ए ने 27 मार्च को इटली में मैच कराने का प्रस्ताव दिया, लेकिन अर्जेंटीना ने इसे 31 मार्च को कराने की मांग रखी। युइएफ़ए के अनुसार चार दिन बाद मैच कराना संभव नहीं था, इसलिए आखिरकार इसे रद्द करना पड़ा। फाइनलिसिमा का पहला मुकाबला 2022 में लंदन के वेम्बली स्टेडियम में खेला गया था, जिसमें अर्जेंटीना ने इटली को 3-0 से हराया था।फाइनलिसिमा एक इंटरकॉन्टिनेंटल फुटबॉल मुकाबला है, जिसमें कोपा अमेरिका के विजेता और यूरोपीय चैम्पियनशिप (यूरो) के विजेता आमने-सामने होते हैं। यह टूर्नामेंट दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल महासंघ CONMEBOL और यूरोपीय फुटबॉल महासंघ युइएफ़ए के बीच सहयोग समझौते का हिस्सा है। इस समझौते के तहत दोनों संगठन फुटबॉल के विकास के लिए मिलकर कई परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। इनमें महिला फुटबॉल, फुटसल, युवा वर्ग के टूर्नामेंट, रेफरी का आदान-प्रदान और तकनीकी प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। फ़ाइनलिस्सिमा पहली बार 1985 में खेला गया था। उस समय इसे कहा जाता था, जिसका नाम यूईएफए के पूर्व अध्यक्ष के नाम पर रखा गया था। यह मुकाबला दूसरी बार 1993 में आयोजित हुआ, जिसके बाद लंबे समय तक इसे नहीं खेला गया। बाद में 2022 में CONMEBOL और युइएफ़ए के बीच नए सहयोग समझौते के बाद इस प्रतियोगिता को फिर से शुरू किया गया और इसका नाम फाइनलिसिमा रखा गया। 1985 में खेले गए पहले मुकाबले में फ्रांस नेशनल फुटबॉल टीम ने ऊरुग्वे नेशनल फुटबॉल टीम को हराया था। वहीं अर्जेंटीना नेशनल फुटबॉल टीम ने 1993 और 2022 के मुकाबले जीतकर खिताब अपने नाम किए।

क्या आप बार-बार बीमार पड़ते हैं?हो सकते हैं ये 10 कारण, लाइफस्टाइल में करें ये 9 बदलाव, बीमारियों से रहें दूर

नयी दिल्ली। हमने अपने आसपास ऐसे कई लोगों को देखा होगा, जो जरा सा मौसम बदलते ही बीमार पड़ जाते हैं। कभी सर्दी-खांसी तो कभी बुखार जैसी बीमारियां उनका पीछा ही नहीं छोड़ती हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों होता है? दरअसल बार-बार बीमार पड़ने का सीधा संबंध हमारी खराब लाइफस्टाइल और कमजोर इम्यून सिस्टम से है। इसमें लंबे समय तक स्ट्रेस, क्रॉनिक डिजीज, मोटापा, स्मोकिंग, ड्रिंकिंग और आसपास का पर्यावरण समेत कई रिस्क फैक्टर भी शामिल हैं।तो चलिए, आज हम बार-बार बीमार होने के पीछे के मुख्य कारणों के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-क्या बार-बार बीमार होना किसी गंभीर बीमारी का संकेत है? इससे बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? बार-बार बीमार होने के मुख्य कारण-इसके पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं। इनमें जेनेटिक्स, ज्यादा तनाव, कमजोर इम्यून सिस्टम, क्रॉनिक हेल्थ प्रॉब्लम्स, मोटापा, शराब का सेवन, आसपास का पर्यावरण समेत कई अन्य कारक शामिल हैं। अगर समय रहते इन कारणों की पहचान और इलाज न किया जाए तो ये आगे चलकर गंभीर बीमारियों का रूप ले सकते हैं। स्ट्रेस और एंग्जाइटी-लंबे समय तक स्ट्रेस में रहने पर शरीर में कोर्टिसोल हॉर्मोन का लेवल बढ़ जाता है। इसके कारण शरीर में इंफ्लेमेशन बढ़ता है और इम्यून सेल्स कमजोर हो जाते हैं, जिससे वायरस और बैक्टीरिया आसानी से शरीर

पर हावी हो जाते हैं। मोटापा- शरीर में चर्बी जमा होने पर साइटोकाइन प्रोटीन का लेवल बढ़ जाता है। यह प्रोटीन इम्यून सिस्टम को कमजोर करता है और शरीर को एक तरह के क्रॉनिक इंफ्लेमेशन की स्थिति में डाल देता है। इससे संक्रमण, हार्ट डिजीज व हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। स्मोकिंग और ड्रिंकिंग-सिगरेट का धुआं फेफड़ों और ब्लड सेल्स को नुकसान पहुंचाता है। वहीं अल्कोहल शरीर के इम्यून सिस्टम को कमजोर करता है, जिससे शरीर बार-बार संक्रमण की चपेट में आ जाता है और रिकवरी की क्षमता भी धीमी हो जाती है। प्रदूषित पर्यावरण-हवा में मौजूद प्रदूषण, धूल व जहरीले केमिकल्स फेफड़ों और इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देते हैं। लगातार प्रदूषण के संपर्क में रहने से रेस्पिरेटरी सिस्टम कमजोर हो जाता है, जिससे एलर्जी, अस्थमा और अन्य संक्रमण होने का खतरा बढ़ जाता है। नींद की कमी-नींद के दौरान शरीर हीलिंग की प्रक्रिया से गुजरता है। पर्याप्त नींद न लेने पर यह प्रक्रिया प्रभावित हो जाती है, जिससे इम्यूनिटी कमजोर होती है और बीमारियों का रिस्क बढ़ जाता है। क्रॉनिक हेल्थ प्रॉब्लम्स -डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, डिप्रेशन, हार्ट डिजीज और एलर्जी जैसी बीमारियां शरीर के इम्यून सिस्टम पर सीधा असर डालती हैं। इससे शरीर आम इन्फेक्शन से भी मजबूती से नहीं लड़ पाता है। खराब खानपान-जरूरी पोषक तत्वों जैसे विटामिन सी, विटामिन डी, जिंक, आयरन और प्रोटीन की कमी होने पर इम्यून सेल्स कमजोर हो जाते हैं। बार-बार फास्ट फूड और प्रोसेस्ड फूड खाने से शरीर में इंफ्लेमेशन बढ़ता है और एंटीबॉडीज बनने की क्षमता घट जाती है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। पर्सनल हाइजीन की कमी-हाथ न धोना, गंदा खाना खाना और सफाई की अनदेखी करना बैक्टीरिया और वायरस को आसानी से शरीर में प्रवेश करने का मौका देता है। इससे पेट से जुड़ी समस्याएं, फ्लू और फूड पॉइजनिंग जैसी बीमारियां बार-बार होने लगती हैं और शरीर संक्रमण की चपेट में जल्दी आ जाता है। बढ़ती उम्र-उम्र बढ़ने के साथ, खासकर 60 साल के बाद, शरीर की इम्यून सेल्स की कार्यक्षमता धीरे-धीरे घटने लगती है। इस प्रक्रिया को इम्यूनोसिनेसेंस कहा जाता है, जिसके कारण बुजुर्गों में संक्रमण तेजी से फैलते हैं और किसी भी बीमारी से ठीक होने में ज्यादा समय लगता है। जेनेटिक्स-कई बार व्यक्ति की बार-बार बीमार पड़ने का मुख्य कारण परिवार से मिले जीन भी होते हैं। जेनेटिक फैक्टर्स इम्यून सिस्टम की क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं।डॉ. रोहित शर्मा बताते हैं कि कुल मिलाकर कमजोर इम्यूनिटी ही बीमारियों की सबसे मुख्य वजह है। लेकिन इसे मजबूत बनाना एक दिन का काम नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें सही खानपान, हेल्दी लाइफस्टाइल और मानसिक संतुलन की अहम भूमिका होती है। नीचे ग्राफिक में दिए कुछ आसान तरीकों को फॉलो करके इम्यूनिटी को मजबूत बनाया जा सकता है।

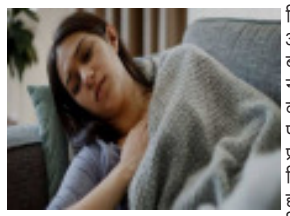

विमेंस प्रीमियर लीग में पहली बार मेगा ऑक्शन 5 प्लेयर्स रिटेन होंग,हर फ्रेंचाइजी के पास 15 करोड़ का बजट, राइट-टु-मैच कार्ड भी मिलेगा

नयी दिल्ली। विमेंस प्रीमियर लीग (डब्लूपीएल) में पहली बार मेगा ऑक्शन होगा। ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी टीमें 5 प्लेयर्स को रिटेन कर सकेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खिलाड़ियों को रिटेन करने की आखिरी तारिख 5 नवंबर है, जिसकी जानकारी टीमों को दे दी गई है। जबकि ऑक्शन की प्रक्रिया 25 से 29 नवंबर के बीच हो सकती है। गुरुवार को डब्लूपीएल ने सभी फ्रेंचाइजी को एक ईमेल भेजे। इसमें कहा कि हर टीम ज्यादा से ज्यादा तीन कैप्ड भारतीय, दो विदेशी और दो अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी रिटेन कर सकती है। अगर कोई फ्रेंचाइजी पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उनमें कम से कम एक अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी होना अनिवार्य है। हर फ्रेंचाइजी के पास 15 करोड़ रुपए का बजट ऑक्शन के लिए हर फ्रेंचाइजी के पास 15 करोड़ रुपए का पर्स है। वहीं, रिटेंशन स्लैब्स के लिए गाइडलाइन भी जारी की हैं। अगर कोई फ्रेंचाइजी पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसकी पर्स से 9.25 करोड़ रुपए काटे जाएंगे। चार खिलाड़ियों के लिए 8.75 करोड़ रुपए, तीन के लिए 7.75 करोड़ रुपए, दो के लिए 6 करोड़ रुपए और एक के लिए 3.5 करोड़ रुपए घटाए जाएंगे। पहली बार डब्लूपीएल ने फ्रेंचाइजी को राइट-टू-मैच (आरटीएम) का ऑप्शन देने का निर्णय लिया है। आरटीएम से टीमें ऑक्शन में अपने पूर्व खिलाड़ियों को फिर से खरीद सकती हैं, जो 2025 सीजन में उनके साथ थे। फ्रेंचाइजी ज्यादा से ज्यादा पांच आरटीएम का उपयोग कर सकती हैं, लेकिन अगर उसने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है तो आरटीएम विकल्प उपलब्ध नहीं रहेगा। चार खिलाड़ियों के रिटेंशन पर एक आरटीएम, तीन पर दो आरटीएम, दो पर तीन आरटीएम और एक खिलाड़ी पर चार आरटीएम मिलेंगे। राइट टु मैच कार्ड टीमों को ऑक्शन में मिलता है। मान लीजिए, मुंबई इंडियंस ने 4 प्लेयर रिटेन किए और उनके पास एक आरटीएम कार्ड बचा है। टीम अमनजोत कौर को रिटेन नहीं कर सकी। अब अगर ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने अमनजोत को 1 करोड़ रुपए देकर खरीदा तो मुंबई अपने आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल कर अमनजोत को अपनी टीम में ही रख सकती है। डब्लूपीएल ने यह भी कहा है कि टीमें रिटेंशन स्लैब्स में जो खिलाड़ियों की कीमत है उससे ज्यादा राशि पर भी खिलाड़ियों से बातचीत कर रिटेन कर सकती हैं, लेकिन रकम स्लैब से ज्यादा हुई तो यह ऑक्शन पर्स से काटी जाएगी। अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों के लिए न्यूनतम सैलरी 50 लाख रुपये तय की गई है, जिसे आपसी समझौते से बढ़ाया जा सकता है।

हमारा ब्लड प्रेशर लो क्यों होता है? इन 10 संकेतों को कभी न करें नजरअंदाज

नयी दिल्ली। आजकल खराब लाइफस्टाइल के कारण लोगों में हाई और लो ब्लड प्रेशर की समस्या आम होती जा रही है। लो ब्लड प्रेशर को मेडिसिन की भाषा में हाइपोटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर को हाइपरटेंशन कहा जाता है। हालांकि कभी-कभार बीपी का थोड़ा ऊपर-नीचे होना सामान्य है। लेकिन अगर यह अक्सर होने लगे तो गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, लो ब्लड प्रेशर अक्सर बिना किसी खास लक्षण के होता है। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि यह समस्या कब सामान्य है और कब डॉक्टर के पास जाने की जरूरत होती है। तो चलिए, आज फिजिकल हेल्थ कॉलम में हम लो ब्लड प्रेशर के बारे में विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- लो ब्लड प्रेशर क्या है और ये किन कारणों से होता है? इस समस्या से कैसे बचा जा सकता है?जब हार्ट खून को पूरे शरीर में पंप करता है तो वह नसों की दीवारों पर दबाव डालता है, जिसे ब्लड प्रेशर कहते हैं। अगर यह दबाव सामान्य से कम यानी 90/60 mmHg (मिलीमीटर ऑफ मर्करी) से नीचे चला जाता है तो उसे लो ब्लड प्रेशर कहते हैं। इस स्थिति

में शरीर के अंगों को पर्याप्त मात्रा में ब्लड और ऑक्सीजन नहीं मिल पाता, जिससे व्यक्ति को चक्कर आना, थकान, धुंधला दिखना और कभी-कभी बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ब्लड प्रेशर की माप में दो संख्याएं होती हैं। सिस्टोलिक (ऊपरी संख्या): जब दिल खून पंप करता है। डायस्टोलिक (निचली संख्या): जब दिल पंप के बाद विश्राम करता है। आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति का बीपी लगभग 120/80 mmHg होना चाहिए। जब यह स्तर काफी नीचे चला जाए तो यह शरीर के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। ब्लड प्रेशर बहुत कम होने पर शरीर के अंगों को पर्याप्त ब्लड और ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है। इससे व्यक्ति को चक्कर आना, थकान, धुंधलापन या बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई बार बैठने या खड़े होने के तुरंत बाद ये लक्षण अचानक महसूस होते हैं। ब्लड प्रेशर लो होने के पीछे डिहाइड्रेशन और हार्ट संबंधी समस्याएं, हॉर्मोनल असंतुलन और खून की कमी समेत कई कारण शामिल हैं। महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान हार्मोनल बदलावों की वजह से भी ब्लड प्रेशर गिर सकता है, जो आमतौर पर डिलीवरी के बाद अपने आप सामान्य हो जाता है। इसके अलावा गर्म मौसम, तनाव, डर या अचानक दर्द जैसी स्थितियां भी अस्थायी रूप से बीपी कम कर सकती हैं।लो ब्लड प्रेशर का इलाज इसके कारण पर निर्भर करता है। आमतौर पर लाइफस्टाइल में बदलाव जैसे ज्यादा पानी पीना, धीरे-धीरे उठना और थोड़ा नमक ज्यादा खाना इसमें मददगार हो सकता है। कुछ मामलों में डॉक्टर दवाएं भी लिख सकते हैं। वहीं अगर कोई दवा बीपी को गिरा रही है तो डॉक्टर उसकी खुराक घटा सकते हैं या दवा बंद कर सकते हैं। लो ब्लड प्रेशर की समस्या से बचने के उपाय लो बीपी से बचने के लिए लाइफस्टाइल और खानपान में कुछ बदलाव जरूरी है। लो ब्लड प्रेशर हमेशा खतरनाक नहीं होता है। कुछ लोगों में यह बिना किसी लक्षण के भी हो सकता है। वहीं अगर इससे अक्सर चक्कर, थकान या बेहोशी जैसे लक्षण दिखें तो यह किसी छिपी हुई स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है।अगर आपको चक्कर आना, कमजोरी, धुंधलापन या बेहोशी जैसा महसूस हो तो तुरंत बैठ जाएं या लेट जाएं। अपने पैरों को ऊपर की ओर उठाएं ताकि दिमाग तक ब्लड फ्लो बढ़ सके। गहरी और धीमी सांस लें, घबराएं नहीं। पानी या ध्रैए पिएं क्योंकि डिहाइड्रेशन भी एक कारण हो सकता है।अगर खाली पेट हैं तो हल्का और जल्दी पचने वाला कुछ खाएं, जैसे बिस्किट या फल। अगर लक्षण बने रहें या बेहोशी जैसा महसूस हो रहा हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ध्यान रखें कि अगर यह स्थिति बार-बार हो रही है तो इसे मामूली न समझें। यह किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है, जिसका जांच और इलाज जरूरी है। डॉ. संजीव अग्रवाल बताते हैं कि हां, खाने-पीने की गलत आदतें लो ब्लड प्रेशर को प्रभावित कर सकती हैं। पर्याप्त पानी न पीना, शराब का ज्यादा सेवन और बहुत हल्का या अनियमित भोजन करने से बीपी गिर सकता है। खासकर डिहाइड्रेशन की स्थिति में यह और बिगड़ सकता है। हां, नियमित हल्की एक्सरसाइज जैसे वॉकिंग, योग या स्ट्रेचिंग से ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है और लो बीपी कंट्रोल में रह सकता है। लेकिन बहुत तेज या हैवी एक्सरसाइज से बीपी गिर सकता है, इसलिए एक्सरसाइज हमेशा शरीर की क्षमता और डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही करें।अगर इसे लंबे समय तक अनदेखा किया जाए तो यह दिमाग, दिल और किडनी जैसे अहम अंगों तक ब्लड और ऑक्सीजन की सप्लाई को प्रभावित कर सकता है। इससे बेहोशी, ऑर्गन फेल्योर या शॉक जैसी गंभीर स्थिति बन सकती है। इसलिए समय रहते सही कारण की पहचान और इलाज कराना बेहद जरूरी है।

उपचार में दवाओं के बजाय हमदर्दी तेजी से काम करती है

मुझे याद तक नहीं कि कितनी बार मैं झुकी-सी कमर और थकान वह मरीज की बात सुनने में देते थे। यह बिल्कुल वही बात है, जो मरीजों को महज 2 रुपए में परामर्श देना शुरु किया और फिर

वे साथ नागपुर वे हमारे पारिवारिक चिकित्सक स्वर्गीय डॉ. हरिदास की डिस्पेंसरी में गया था। लेकिन मुझे यह याद है कि इसमें से 90 फीसदी दफा मैं उसी डिस्पेंसरी से महज 20 मिनट में सीधी कमर के साथ मुस्कराता और कूदता हुआ बाहर निकला। सबसे पहले डॉक्टर मेरे सिर पर हाथ फेरते। फिर मुझसे जीभ बाहर निकालने के लिए कहते और टॉर्च से इसके भीतर ऐसे देखते, जैसे मैं वहां कुछ छिपा रहा हूं। फिर वह अपने स्टेथोस्कोप से मेरे दिल और फेफड़ों की जांच करते। वह अपने साफ सुथरे मैनिक्योर किए हाथों से मेरी कलाई पकड़ते और उस समय में मुझसे कुछ ऐसी बातें करते रहते, जिनका मेरी बीमारी से कोई लेना-देना नहीं होता था। वह पूछते कि मैंने आज क्या खाया, कौन-सा विषय मेरे लिए बहुत कठिन है या सरल है। कौन-सा शिक्षक मुझे सबसे ज्यादा पसंद है इत्यादि। अंततः वो मुझे एक गोली देकर इसे अपने सामने ही खाने के लिए कहते, इस भरोसे के साथ कि 'ये गोली तुम्हारे भीतर एक जादू करेगी। तुम यहां से 10 मिनट में ही नाचते-कूदते चले जाओगे।' मैं कभी महसूस ही नहीं कर पाया कि मेरी बीमारी ठीक होने के जादू का कारण उनकी दी हुई गोली नहीं थी, बल्कि उनके जादुई शब्द और वो धैर्य था, जो

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस सोमवार एम्स गोरखपुर के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 'एक दयालु डॉक्टर सिर्फ दवाओं से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार से भी उपचार करता है। सहानुभूति भरी देखभाल मरीज की रिकवरी को तेज करती है। एक डॉक्टर का धैर्य और समर्पण समाज के लिए एक आदर्श स्थापित करता है।' उन्होंने चिकित्सा को महज एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा करार दिया। राष्ट्रपति ने समारोह में ग्रेजुएशन कर रहे विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल प्रदान किए और इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। जैसे राष्ट्रपति ने जिक्र किया, वैसे सैंकड़ों चिकित्सक देश में हैं और उनमें से एक स्वर्गीय डॉ. वी बालासुब्रमणियम मुझे अच्छी तरह से याद हैं, जो '20 रुपए वाला डॉक्टर' के नाम से मशहूर थे। एक ऐसा व्यक्ति जो गरीबों के लिए भगवान था। नवंबर 2016 में तमिलनाडु के कोयंबटूर में उनके घर और डिस्पेंसरी की गलियों में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था, जो अपने प्यारे '20 रुपए वाले डॉक्टर' को श्रद्धांजलि देने आए थे। उन्होंने कभी भी अपने मरीजों से उपचार के लिए 20 रुपए से अधिक फीस नहीं ली। पहले उन्होंने अपने

इसमें कई वर्षों तक बहुत मामूली बढ़ोतरी करते रहे। 2014 तक भी वह मरीज से महज 10 रुपए ही लेते थे। देश में आज भी उनके जैसे कई सारे चिकित्सक हैं। डॉ. एस. एम. जियाउर्रहमान जब दिल्ली के एक बेहद प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में कार्यरत थे, तो उनके पास बिहार के खगड़िया से एक बेहद गरीब मरीज आया। जियाउर्रहमान स्वयं भी वहीं के रहने वाले थे। मरीज अपने उपचार के लिए करीब 1200 किलोमीटर की यात्रा कर उनके पास पहुंचा। इसी के कारण वह दिल्ली की अपनी मोटी तनख्वाह वाली नौकरी छोड़ कर अपने गृह नगर में सिर्फ 50 रुपए में मरीजों का इलाज करने के लिए प्रेरित हुए। पिछले 35 वर्षों से बिहार के बरबीघा गांव के डॉ. रामानंद सिंह, पटना के डॉ.एजाज अली, आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले की डॉ. नूरी परवीन, कर्नाटक के डॉ. शंकरे गौड़ा इतनी कम फीस लेते हैं, जिसमें सड़क किनारे की गुमटी से एक कप चाय भी नहीं खरीदी जा सकती। लेकिन जब हम देश के सरकारी अस्पतालों के गलियारों में मदद के लिए गूंजती मरीजों की करुण पुकार सुनते हैं तो ये डॉक्टर चिकित्सकीय उपचार मुहैया कराते ?हैं। फंडा यह है कि शायद ये चिकित्सक जानते हैं कि एक प्रगतिशील राष्ट्र के लिए स्वस्थ आबादी कितनी जरूरी है। और इसीलिए वे हमदर्दी से इतने भरे हुए हैं।

जीवन रुकता नहीं, लेकिन सुरक्षा के लिए थोड़ा ठहरना होगा

हमारे आसपास का जीवन बहुत असुरक्षित हो गया है। महामारी से संस्थाएं करें तो क्या करें? मुझे लगता है समय आ गया है कि तमाम मूल्यों चाहिए। अभी पिछले ही साल दिल्ली की बारिश में कितने छात्रों ने लाइब्रेरी

उबरी दुनिया ने यह नहीं सोचा होगा कि हवाई जहाज की यात्रा लगातार डरावनी होती जाएगी या उसकी जगह हेलीकॉप्टर से की गई यात्रा आखिरी यात्रा साबित होगी और इन सबसे अगर कोई बच गया तो वह पुल ही धंस जाएगा जो जीवन को पार लगाएगा।अगर फिर भी सांस रही तो कोई सड़क दुर्घटना हो जाएगी या गर्मी में एयर कंडीशनर ही फट जाएगा। और तो और, वैक्सीनेशन के कवच में सुरक्षित लोग जब दौड़ेंगे, खेलेंगे या वर्जिश करेंगे तो उनके आसपास वह डेटा बड़बड़ाता आ जाएगा, जो यह बताएगा कि आज किसी भी उम्र में, किसी की भी धड़कन थम सकती है। ऐसे में इस अनिश्चितता का सामना कैसे किया जाए? जीवन तो रुकता नहीं है। तो अगर किसी की पहली हवाई यात्रा मौत और जिंदगी की उड़ान के बीच लैंड करे तो सोचिए उस यात्री का क्या हाल हुआ होगा। और उनका क्या जो हर बार किसी पुल से गुजरते वक्त घबरा जाएंगे! अभी तो एयर क्रैश के बाद भी इमरजेंसी लैंडिंग का सिलसिला जारी है। क्या एयर क्रैश, एक्सीडेंट्स, पुलों का गिरना एक न्यू नॉर्मल बनता जा रहा है? क्या सेफ्टी के मूल्य को दरकिनार कर जीवन चलने का नाम है की आड़ में यूं ही मौत का सिलसिला जारी रहेगा? आखिर ऐसी परिस्थिति में तमाम में सेफ्टी के मूल्य को संस्थाएं टॉप मोस्ट मूल्य बनाएं। क्योंकि बैलेंस शीट और लाभ, टारगेट, रेवेन्यू के जमाने में मुनाफा कमाने का अत्यधिक दवाब चारों तरफ है। एक हवाई जहाज की कितनी उड़ान बनती है और उससे कितना पैसा आता है; उससे ज्यादा जरूरी है यह देखना कि सुरक्षा मानकों को ठीक से फॉलो किया जा रहा है या नहीं? क्या यह संभव है कि कोई कंपनी सारे सुरक्षा मानकों से कोई समझौता न करे और अपनी एक के बाद एक उड़ानें रद्द कर दे? या किसी कारखाने में बिना सेफ्टी शूज, बेल्ट, ग्लासेस, हेलमेट के मैनेजमेंट से लेकर अंतिम आदमी तक प्रवेश न कर पाए? आखिर सुधार की सुगबुगाहट विध्वंस के बाद ही क्यों होती है? सुरक्षा हमारा सामाजिक व्यवहार क्यों नहीं बन पा रही है? कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण का समर्थन करने वाले एक लेख में लेखक मानते हैं कि सुरक्षा संस्कृति कंपनी अभ्यास में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। जैसा कि हेल और होवडेन ने कहा भी है कि हम आजकल 'सुरक्षा के तीसरे युग' में रहते हैं, जिसमें अब केवल तकनीकी (पहला युग) या संगठनात्मक उपायों (दूसरा युग) पर ध्यान केंद्रित नहीं किया जाता है। सुरक्षा पर ध्यान करना ही मुख्य रूप से संस्कृति और मानव व्यवहार का हिस्सा बनना के बेसमेंट में जलसमाधि ले ली, कितने अस्पतालों के एसी फट गए, कितने पुल गिर गए, रेल हादसे भी हुए। ऐसे में एक व्यक्ति के लिए जीवन दिनों-दिन असुरक्षा की भावना से भरता जा रहा है। ऐसे युग मे जहां हर व्यक्ति-वस्तु का आर्थिक मूल्य ही वास्तविक मूल्य बना हुआ है; सुरक्षा के मूल्य को सामाजिक व्यवहार बनाना आसान नहीं है। पर हमें यह करना तो पड़ेगा ही। इसलिए आवश्यक है कि हर स्तर पर व्यक्ति की सुरक्षा को सर्वोपरि बनाया जाए और इससे कोई समझौता न किया जाए। भारत में कार बनाने वाली कंपनियों में से कुछ की गाड़ियां सुरक्षा मानक में सर्वोपरि होती हैं। अब तो ऑटो कंपनियां ऐसी गाड़ियां भी बना रही हैं कि अगर ड्राइवर ने सीट बेल्ट नहीं लगाया तो वह स्टार्ट ही नहीं होगी। कुछ व्यापार-समूहों ने भी स्पीड के साथ सेफ्टी को प्रथम मूल्य बनाया है और उनके प्लांट्स या कॉलोनीज में व्यक्ति की सुरक्षा उस सेफ्टी मूल्य से निर्धारित होती है। जापानी कंपनियां भी सुरक्षा को सर्वोच्च मानती हैं। तो क्या एविएशन या रेल में ऐसा नहीं हो सकता? दो उड़ानों के बीच में हवाई जहाज को उचित समय दिया जाए, ताकि सुरक्षा को लेकर कोई अनदेखी न हो। अगर सरकार के मानक सख्त हो जाएंगे तो मानवीय या तकनीकी गलती से होती दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

गणितीय ज्ञान की कमी के कारण हम पर कौन हावी होगा?

क्या आपको याद है जब पूरी प्राथमिक कक्षा एक सुर में 'एक एकम एक, एक दूनी दो' से लेकर '16 एकम 16, 16 दूनी 32' तक दोहराती थी। वास्तव में उस वक्त का आकलन किया गया। इसमें पाया गया कि छठी कक्षा के 54फीसदी विद्यार्थी पूर्णांकों की तुलना करने और बड़ी संख्याओं को पढ़ने में असफल रहे। यह

वो 1 से 16 तक के पहाड़े याद कर रही होती थी। जब तक हम 1 से 16 तक के पहाड़े याद करने में पारंगत नहीं हो जाते थे, उन दिनों में हमारे गणित के टीचर ब्लैक बोर्ड पर कुछ भी नहीं लिखते थे। और इसका नतीजा आज हम देख रहे हैं। उस बुनियाद के बल पर ही हम यह गणना तत्काल कर लेते हैं कि राशन वाले को कितने पैसे देने हैं और यदि किसी वस्तु पर 23 फीसदी छूट है तो हम कितनी बचत कर लेंगे। फिर कैलकुलेटर आए। धीरे-धीरे बच्चे हमसे सवाल करने लगे कि पहाड़े क्यों पढ़ें? जोर-जोर से पहाड़ों का दोहराना खत्म हो गया। फिर हाल ही चैटबॉट आया, जो यदि आप अपनी मातृभाषा में भी कुछ बड़बड़ाओ, तो भी आपकी पसंद की भाषा में वाक्य बना देगा। अब वो दिन दूर नहीं, जब अगली पीढ़ी सवाल करेगी कि वे भाषा भी क्यों पढ़ें। अब सीधे जुलाई 2025 पर आते हैं। ये हैरतअंगेज आंकड़ा है कि नवीं कक्षा के 63इ विद्यार्थी अंकों का सामान्य पैटर्न पहचानने में भी विफल रहे हैं। उन्हें भिन्न व पूर्णांक जैसे सामान्य अंकों की समझ नहीं है। भारत में छठी कक्षा के स्कूली छात्र पुस्तकों के मुख्य पाठों को ही नहीं समझ पाते। पिछले साल दिसंबर में शिक्षा मंत्रालय की ओर से कराए 'परख' राष्ट्रीय सर्वे में ये निष्कर्ष निकला है, जिसे पूर्व में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण कहते थे। सर्वे में 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 781 जिलों में स्थित 74,229 स्कूलों के तीसरी, छठी और नवीं कक्षा के 21,15,022 विद्यार्थियों देश की शिक्षा प्रणाली में सीखने की कमजोरी को दर्शाता है। सर्वे में कहा गया कि छात्रों को 7 के गुणज, 3 की घात, अभाज्य संख्याएं पहचानने और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए प्रतिशत व भिन्न की गणना करने में भी परेशानी होती है। तो फिर हमारी खरीद वे भुगतान, वेतन, ओवरटाइम की गणना करते वक्त हमारे जीवन पर कौन हावी होने जा रहा है? बेशक, एआई? यह कहकर इसे खारिज मत कर देना कि एआई को हमारे रोजमर्रा के जीवन में दखल देने में अभी बहुत समय लगेगा। याद करो कि कैसे 1835 में घोड़ा गाड़ी मालिकों ने 1830 में यूके में लिवरपूल से मैनचेस्टर तक शुरू हुई दुनिया की पहली रेल के प्रभाव को खारिज किया था। उन्होंने कहा कि रेल यातायात कभी भी उनके व्यवसाय पर भारी नहीं पड़ेगा। और रेल ने ना सिर्फ उनके व्यवसाय को खत्म कर दिया, बल्कि कुछ वर्षों में ही पूरे विश्व में औद्योगिक क्रांति को भी गति दी। 'सेपियन्स' के लेखक युवाल नोआ हरारी से जब मीडिया ने पूछा कि क्या एआई के युग में मानव की क्षमता कम हो जाएगी? उन्होंने जवाब दिया कि 'मुझे लगता है, जिन क्षेत्रों में हम सबसे पहले बड़े बदलाव देखेंगे, उनमें वि?त्तीय प्रणाली शामिल है।' क्योंकि वित्त शुद्ध रूप से एक सूचना संबंधी क्षेत्र है। सेल्फ ड्राइविंग वाहन आधुनिक जीवन पर अभी बहुत असर नहीं छोड़ पाए हैं, क्योंकि वे अभी पैदल चलने वालों की आदतें (बुरी आदतें) और गड्ढों के बारे में सीख रहे हैं।

मौसम का विरोधाभासी व्यवहार चिंताजनक संकेत देता है

आज दुनिया में मौसम जिस तरह से चकमा दे रहा है और पारिस्थितिकी-तंत्र जैसे रूप बदल रहा है, उसे किस तरह से लिया जाए? एक तरफ तो ये वर्ष दुनिया के लिए गर्म रहा, वहीं अपने देश में पिघलने की घटनाएं सामने आईं।

वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन समूह के वैज्ञानिकों ने बताया कि वहां तापमान 3 डिग्री तक बढ़ गया, जिससे भारी मात्रा में बर्फ पिघली। इसका कारण मानवीय गतिविधियां तो हैं ही, यह रहा। इससे पहले मार्च, अप्रैल और फरवरी भी इतिहास के सबसे गर्म महीनों में शामिल रहे। भारत में फरवरी 2025, पिछले 125 वर्षों में सबसे गर्म रहा। परंतु मई और जून के महीने ला-नीना प्रभाव के कारण

सब कुछ सामान्य दिखाई दिया। इतना ही नहीं, मौसम के पैटर्न ने पारिस्थितिकी समझ को भी चकरा दिया। इस वर्ष कुछ देशों में गर्मी ने फिर वही हालात बनाए रखे, जैसे कि गत वर्षों में थे। और अन्य जगह सब कुछ सामान्य से नीचे स्तर का था। इसके पीछे कई कारण रहे हैं, विशेषकर उत्तरी गोलार्ध में पश्चिम-मध्य एशिया, पूर्वोत्तर रूस और पश्चिमी अंटार्कटिका में अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई, जबकि हडसन खाड़ी से लेकर उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और पूर्वी अंटार्कटिका तक अपेक्षाकृत ठंडक बनी रही। भारत भी इन असमान व्यवहार वाले क्षेत्रों में शामिल रहा। इस तरह का मौसम-व्यवहार कई बातों की ओर इशारा करता है। अब हमारे पास देश से जुड़ी भी कई असामान्य खबरें हैं। भारत के कई हिस्सों में मई के दौरान सामान्य से 20-40 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई और तापमान 4 से 6 डिग्री तक गिर गया।वे शहर जो आमतौर पर अधिक तापमान के लिए जाने जाते हैं- जैसे दिल्ली, लखनऊ, पटना- वहां इस बार की गर्मियों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। दुनिया में महत्वपूर्ण खबर यह रही कि ग्रीनलैंड और आइसलैंड में बर्फ भी देखा गया कि कई अन्य क्षेत्रों में तापमान गत वर्षों की प्रवृत्ति जैसा ही रहा। मई का महीना दुनिया भर में अब तक का सबसे गर्म महीना पाया गया। क्लाइमेट चेंज सर्विस की रिपोर्ट में बताया गया कि मई में वैश्विक सतह तापमान 1850-1900 के औद्योगिक युग की तुलना में 1.4 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। परंतु, भारत, अलास्का, दक्षिण अफ्रीका और पूर्वी एशिया जैसे क्षेत्रों में मई का तापमान सामान्य से नीचे रहा था। इस तरह का विरोधाभासी मौसम व्यवहार यह स्पष्ट करता है कि क्लाइमेट के सिस्टम में बड़ी गड़बड़ हो चुकी है। 2025 में सतह का औसत तापमान 15.79 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 1991-2020 की तुलना में 0.5 डिग्री अधिक था। यह 2020-2024 की सबसे गर्म मई से केवल 0.12 डिग्री कम था। इससे स्पष्ट है कि वैश्विक तापमान में मामूली गिरावट तो है, परंतु मौसम का असामान्य व्यवहार बना हुआ है। यह वृद्धि मुख्यतः जीवाश्म ईंधनों के जलने से हुए उत्सर्जन का परिणाम है। रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले 22 में से 21 महीने ऐसे रहे हैं, जिनमें वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक अपेक्षाकृत शीतल रहे। इस दौरान भारत और दुनिया भर में जनवरी का महीना सबसे गर्म साबित हुआ। इन सभी घटनाओं को देखकर चौंकना स्वाभाविक है। 2025 में भारत का मौसम अपेक्षाकृत कम गर्म रहा। देश ने इस बार कोई गंभीर लू जैसी स्थिति नहीं झेली। अधिकतम तापमान लगभग 35 डिग्री के आसपास रहा। इसका एक प्रमुख कारण यह रहा कि समय-समय पर मौसम ने करवट बदली और बारिश हुई। इस वर्ष पश्चिमी विक्षोभ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन सबसे असामान्य बात यह रही कि इस बार मानसून समय से पहले आ गया। सामान्यतः मानसून जुलाई तक सक्रिय होता है, लेकिन इस बार समुद्री सतह के तापमान के बढ़ने के कारण यह जल्दी सक्रिय हो गया। समुद्र का लगातार ऊष्ण रहना भी अब नियमित हो चुका है। इसका मतलब है कि अब साल भर किसी न किसी रूप में बारिश देखने को मिल सकती है। जहां पहले कभी बारिश नहीं होती थी, जैसे राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में भी वर्षा संभावित है, और जहां अत्यधिक वर्षा होती थी- जैसे पूर्वोत्तर भारत, वहां विपरीत प्रभाव दिख सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

जब मशीनें हमें हराने की कोशिश करने लगें, तब क्या करें?

एक टीवी शो में सपना नाम से एक ब्यूटी पार्लर है, उसमें सपना का किरदार निभाते हुए काल्पनिक मसाज करने वाले कैरेक्टर वे हिसाब से पटकथा स्पा कोई तेल नहीं लगाएंगे। जी, हां। भविष्य वे स्पा में आपके बाल चिपचिपे नहीं होंगे।

आपको तेल और लोशन को धोकर साफ नहीं करना सभी तस्वीरों को भूल जाइए, जो आपने मॉल्स या एयरपोर्ट वे लाउन्ज में देखी हैं। यह सपना वे पार्लर की भांति ही एक औपचारिक उपचार है और यहां पर भी बताती है, ये भी आपको सुझाव देगी। जैसे यदि आप 'एस्केप' मसाज का सबसे अच्छा अनुभव चाहते हैं तो 'इमर्स मोड' को चुनें।

पहले आधे समय में ये अधिक कसरत वे कारण शरीर वे पिछले हिस्से की मांसपेशियों में होने वाला दर्द दूर करेगी।

पारंपरिक व एस्केप संचालित मसाजों में प्रमुख अंतर ये है कि इस मसाज में ग्राहक को पूरे समय उल्टा मुंह लेटना होता है। अंत में यह आपसे उसवे प्रदर्शन की रेटिंग देने और अपना सामान लेने वे लिए कहती है, ताकि दूसरे ग्राहक वे लिए जगह खाली हो। आपको यह कैसा लगा? यूजर्स बताते हैं कि यह किंक्स (शरीर वे घुमाव और झुकाव वाली जगह), हैमस्ट्रिंग्स और दर्द वाली जगहों वे लिए बहुत बेहतर है।

लेकिन उन सुगंधित क्रीम वे बिना यह मसाज शरीर की सभी इंद्रियों को संतुष्ट नहीं करती है। जब यूजर्स कहते हैं कि यह पैरों की मसाज वे लिए सही नहीं है, तो मेरा चेहरा लटक जाता है, क्योंकि यही मसाज मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। और जब मैंने सुना कि ये रोबोट आईटी पेशेवरों को सबसे अच्छी लगने वाली गर्दन और सिर की मसाज नहीं कर सकते, तो मेरी इच्छा हुई कि इस मशीन को 5 में से 1 अंक की रेटिंग दूं। फंडा यह है कि यह एक ऐसा युग है, जिसमें मशीनें मानवों पर हावी होने की कोशिश करेंगी।

लेकिन यही ऐसा समय भी है, जब वह सर्वाधिक विफल भी होंगी। इसलिए उनकी कमजोरियों को याद कर लीजिए और खुद को उत्कृष्ट बना लीजिए, ताकि भविष्य में मशीनों को हराया जा सवे।

लिखने वाले लेखक को निकट भविष्य में थोड़ी दुविधा हो सकती है। क्योंकि लेखक वे लिए आसान था कि वह हर शो में कई बार एक ही लाइन को दोहराते। महिलाओं वे कपड़े पहने उस पुरुष एक्टर को याद करें, जो कहता रहता है कि 'पहले उसवे कपड़े उतारते हैं, और फिर तेल लगाते हैं।' उसवे कम से कम 50फीसदी पुराने डायलॉग अब बदलने पड़ेंगे। अब वह अपने कथन की शुरुआत कर सकता है कि 'पहले उसवे कपड़े उतारते हैं,' और फिर संभवतः वह कहेगा कि 'फिर उसे पार्लर वे कपड़े पहनाते हैं...।

'क्या आप भौंहें तानकर मुझसे पूछ रहे हैं कि कोई कपड़ों वे ऊपर से तेल कैसे लगा सकता है? तो भविष्य वे स्पा में आपका स्वागत है। भविष्य वे पांच सितारा पड़ेगा। आपको किसी को कोई टिप भी नहीं देना पड़ेगा। क्योंकि यह 'एस्केप' द्वारा संचालित मसाज है। यह नए दौर की एक मसाज टेबल है, जो एआई आधारित मशीनों से संचालित होती है।

फोर सीजन्स, डब्ल्यू होटल्स, रिट्ज कार्लटन जैसी बड़ी होटल श्रृंखलाएं इसे पहले ही शुरू कर चुकी हैं और इसी हफ्ते मैंने सुना कि भारत वे कुछ होटल भी 'एस्केप' खरीदने वे लिए मोलभाव कर रहे हैं। आप ताज्जुब कर रहे हैं कि क्या ये डीप फेक हैं?

कैसे ये रोबोट पेशेवर स्पा मसाज थेरेपिस्ट को मात देंगे या इस बात पर चिंतित हैं कि मानवीय हाथों का स्थान मशीनी हाथ ले रहे हैं, तो मुझे यह स्पष्ट वहरने दें। हाईटेव रिक्लाइनर कुर्सियों की उन एक पारंपरिक किन्तु अत्याधुनिक टेबल होगी। सिर्फ सपना यानी कोई थेरेपिस्ट नहीं होगा, लेकिन विशाल सफेद बांहें होंगी, जिसवे मोटे पंजे आपकी पीठ दबाने को लिए तैयार होंगे। ये कैसे काम करता है? ग्राहक को मसाज शुरू कराने वे लिए इस बड़ी मसाज टेबल पर उल्टे मुंह लेटना होता है, जहां वह पारंपरिक फेस पिलो वे भीतर से आईपैड को देखता है। ये मशीन आपको नाम से पुकारेगी और बताएगी कि कितनी मिनटों वे लिए आपने सुविधा बुक की है। जैसे ही आपने बटन दबाया, यह आपसे दबाव समायोजित करने वे बारे में पूछेगी और संगीत शुरू कर देगी।

यदि आप असमंजस में है तो जैसे सपना हर सप्ताह नई-नई मसाज वे बारे में

भारत अब 'ग्लोबल साउथ' के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है

(पलकी शर्मा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही घाना, त्रिनिदाद एंड टोबेगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की आठ दिनों की उल्लेखनीय यात्रा पूरी की। यह सिर्फ कूटनीतिक मैराथन ही नहीं थी, बल्कि भारत के इरादों की स्पष्ट घोषणा भी थी। वैश्विक बदलावों और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा के इस युग में भारत ग्लोबल साउथ के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। कई द्विपक्षीय बैठकें, ब्रिक्स सम्मेलन में सहभागिता और चार राष्ट्रीय सम्मान- मोदी की यह यात्रा ?कई मायनों में प्रभावी रही है। लेकिन इसमें एक और बड़ी कहानी निहित है। यह रणनीतिक महत्वकांक्षाओं, भू-राजनीतिक संदेशों और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका का कथानक है। 1. एक ऐसी दुनिया में जिसमें अकसर आतंकवाद के पीड़ितों और प्रायोजकों में भेद नहीं किया जाता, मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने आतंकवाद पर राजनीति नहीं करने पर जोर दिया। यह पाकिस्तान पर परोक्ष किंतु अचूक निशाना था। उन्होंने एक बार नहीं, बल्कि हर सार्वजनिक संबोधन में इसे बार-बार दोहराया। यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी की यह दूसरी बड़ी विदेश यात्रा भी थी, जिसने आतंकवाद के खिलाफ समर्थन जुटाने के लिए भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया। 2. भारत लीथियम, रेयर अर्थ और तांबे जैसे महत्वपूर्ण खनिजों को लेकर चीन पर अत्यधिक निर्भर रहा है। ऐसे में जबकि चीन व्यापार को हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है, यह निर्भरता कम करना जरूरी है। यहीं पर घाना और नामीबिया हमारे लिए जरूरी हो जाते हैं। घाना में हीरा, मैंगनीज और लीथियम के भंडार हैं। नामीबिया में यूरेनियम, तांबा और सोना हैं। दोनों ही देशों में मोदी ने बड़े सहयोग की बात कही है, खासतौर पर हीरे के क्षेत्र में। यह ऐसी नई आपूर्ति शृंखला रणनीति की ओर बढ़ाया गया कदम है, जिसमें खनिज सुरक्षा भी है और जो चीन पर हमारी निर्भरता भी कम करती है। 3. इस दौरे का एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य विकासशील देशों में भारत के नेतृत्व को मजबूत करना था।

मोतिहारी में दो अपराधियों का एनकाउंटर,पुलिस को बोल रहे थे 'गुंडई क्या होती है हम दिखाएंगे',एक एसटीएफ जवान की भी मौत

मोतिहारी। बिहार के मोतिहारी में सोमवार रात 2.30 बजे स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई।

इसमें एऊइ ने दो बदमाशों को मार गिराया, वहीं एक जवान की मौत हो गई। मुठभेड़ चकिया थाना क्षेत्र के रामडीहा गांव में हुई है। मृतक जवान की पहचान श्रीराम यादव (31) के रूप में हुई है। मारे गए अपराधी कुंदन ठाकुर और प्रियांशु दुबे हैं। दोनों चकिया थाना इलाके के रहने वाले थे। दोनों पर आर्म्स एक्ट में केस दर्ज थे। कुंदन ठाकुर पर चकिया थाने में तीन और साहेबगंज थाने में लूट सहित 5 केस दर्ज थे। पुलिस को मौके से एक कार्बाइन, 2 पिस्टल, 2 कट्टा मिले। 5 जिंदा कारतूस और 17 खोखे भी बरामद हुए हैं। मुठभेड़ के बाद चकिया के ही सिहोरवा निवासी उज्जवल कुमार और संत कुमार तिवारी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि कुंदन ठाकुर और प्रियांशु दुबे ने चकिया थाने के एडिशनल एसएचओ गौरव कुमार को फोन कर धमकी दी थी। नेपाल के नंबर से फोन कर अपना नाम बताते हुए कहा, 'यह क्या चल रहा है सर... न्यूज में देखे हैं कि पुलिस अपराधी के मुठभेड़ में एक बदमाश घायल, पता है अगली न्यूज क्या होगी सर? अपराधी और पुलिस के बीच मुठभेड़ में 10 से 15 पुलिसकर्मियों की हुई मौत, अपराधी फरार। गुंडई क्या होती है, आपको और पूरे शहर को दिखा देंगे।'इसके बाद पुलिस टीम ने कॉल ट्रेस करना शुरू किया। पुलिस को जल्द ही फोन करने वालों की लोकेशन मिल गई। पुलिस की टीम और एसटीएफ लोकेशन पर पहुंची और बदमाशों को घेर लिया। खुद को घिरते देख कुंदन ठाकुर और प्रियांशु दुबे फोर्स पर फायरिंग करने लगे। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए गोली चलाई, दोनों ओर से कुछ देर तक गोलीबारी होती रही। इसके बाद कुंदन और प्रियांशु की मौत हो गई। हालांकि, उसके कुछ साथी फरार हो गए।एनकाउंटर के बाद डीआईजी से लेकर एसपी तक मौके पर पहुंचे और ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है। पुलिस पूरे इलाके में सर्च अभियान चला रही है।इस धमकी के बाद पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में छानबीन कर रही थी। इसी दौरान सोमवार रात पुलिस को सूचना मिली कि कुंदन ठाकुर चकिया थाना के सिहोरवा गांव आया है। यहां संत कुमार के घर पर 3 अपराधी जमा हुए हैं। एसडीपीओ संतोष कुमार के नेतृत्व में पूरी टीम बनाई गई। चकिया थाना पुलिस, एसटीएफ मिलाकर 20 से 25 पुलिसवाले 15 मिनट में 6 किमी दूर संत कुमार के घर पर पहुंचे। सबसे आगे कॉन्स्टेबल श्रीराम यादव थे। उन्होंने घर की घंटी बजाई। करीब 2 मिनट बाद एक बूढ़ा व्यक्ति आया, उसने दरवाजा खोला और अंदर चला गया। उसके तुरंत बाद घर की सारी लाइट्स ऑफ हो गई। पुलिसकर्मियों के घर में दाखिल होने से पहले ही अपराधियों ने 2 राउंड फायरिंग की। इसमें से एक गोली श्रीराम यादव के सीने, दूसरी कमर में लगी। अपराधी ने कार्बाइन से फायर किया था। इसके बाद पुलिस ने तुरंत जवाबी फायरिंग शुरू कर दी। 10 मिनट तक दोनों तरफ से गोलियां चलीं। 20 से 30 राउंड फायरिंग हुई। इसी दौरान दोनों अपराधी कुंदन और प्रियांशु को भी गोली लगी।मामले की जानकारी देते हुए डीआईजी हरकिशोर राय ने कहा, 'सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी हथियार के साथ घर में छिपे हुए हैं। इसको लेकर मोतिहारी पुलिस और एसटीएफ टीम छापेमारी करने गई थी। उसमें अपराधियों ने फायरिंग की।जिसमें जवान को गोली लगी, पुलिस द्वारा जवाबी फायरिंग की गई जिसमें 2 अपराधी घायल हो गए थे। घायलों को अस्पताल इलाज के लिए लाया गया, हॉस्पिटल लाने के बाद जवान की मौत हो गई। दोनों अपराधी की भी मौत हो गई है। दोनों का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है।'मुठभेड़ से एक दिन पहले अपराधी कुंदन ने चकिया के एडिशनल एसएचओ गौरव कुमार को फोन कर धमकाया था। दोनों की बातचीत का करीब साढ़े 4 मिनट का ऑडियो सामने आया है। पढ़ें बातचीत-कुंदन ठाकुरः प्रणाम सर, मैं कुंदन बोल रहा हू। ये क्या चल रहा है सर? एसएचओः क्या.. एसपी सर बुला रहे हैं। कुंदन ठाकुरः मुझे और मेरे परिवार वालों को क्यों तंग किया जा रहा है? न्यूज में पढ़े कि अपराधी और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में एक अपराधी घायल हो गया है।कुंदन ठाकुरः क्या सर(एसपी) का घर-परिवार नहीं है क्या? कुंदन ठाकुरः आप लोग जो जानकारी दे रहे हैं, वह अभी चल रही है। लेकिन पता है अगली न्यूज क्या होगी? एसएचओः क्या होगी? कुंदन ठाकुरः अपराधी-पुलिस के बीच मुठभेड़ में 10-15 पुलिसकर्मी मारे गए और अपराधी फरार। गुंडई क्या होती है, वो पूरे शहर को दिखा देंगे। आपलोगों समझ नहीं आ रहा है नष्ठमेरे घर पर 70-80 पुलिसकर्मी जो रेड मार रहे हैं, हार्डडिस्क ले जा रहे हैं। ये सारे खर्च कौन देखेगा। 10-15 हजार का हार्डडिस्क कौन बार-बार लगाएगा। हम लोग कहां से मेंटेन करेंगे। कुंदन ठाकुरः जब हमने कहा कि हम लोगों की तरफ से आपलोगों को कोई दिक्कत नहीं होगी, तो फिर आपलोग बिना वजह उंगली क्यों कर रहे हैं। मोतिहारी में जो पुलिस पर गोली चलने वाली खबर जो चल रही है, वो कहां से चल रही है। एसएचओः मैं नहीं जानता हूं। कुंदन ठाकुरः हमारी-पुलिस के बीच मुठभेड़ होगी, तो मैं लड़ने वालों में से हूं। भागने वाला नहीं हूं। 47-56 गोली-बंदूक चलाने हमको भी आता है। एक काम कीजिए, हम आपको आधे घंटे का समय देते हैं। चकिया में एक घर का लोकेशन देते हैं। अगर हिम्मत है तो मुझे जिंदा पकड़कर दिखाइए। बोलिए आएं हम चकियाष्ठ एसएचओः तुम चकिया में नहीं हो क्या? कुंदन ठाकुरः नहीं हम पटना में बैठे हैं, लेकिन आपके बोलने पर चकिया आते हैं। लेकिन इस बार वाले मुठभेड़ में पुलिसकर्मी मरेगा हम नहीं मरेंगे। ये बात याद रखिएगा। ये न्यूज बहुत जल्दी आएगा। हम बहुत ज्यादा दूर नहीं हैं, आसपास ही हैं और हमेशा तैयार हैं। सर को बोल दीजिए कि कुंदन हमेशा तैयार रहता है। कुंदन को गोली चलाना सीखना नहीं है। वह पहले से जानता है, दोनों हाथों से चला सकता है। एसएचओः धमकी दे रहे हो... कुंदन ठाकुरः हम आपको धमकी नहीं, एडवाइस दे रहे हैं। मेरे घर-परिवार वालों को परेशान मत कीजिए। मेरी मां से आप लोग तुम-ताम कर के जाइएगा, तो नतीजा यही होगा। एसएचओः हमको एडवाइस की जरूरत नहीं है। कुंदन ठाकुरः ठीक है सर, आपलोग तैयार रहिएगा। हम तैयार हैं।

राज्यसभा चुनाव- हरियाणा में होता रहा हंगामा,ओडिशा-हरियाणा में कांग्रेस विधायकों की क्रॉस वोटिंग

एनडीए ने 37 में से 22 सीटें जीतीं, 10 सीटों का फायदा

चंडीगढ़। पर शाम 4 बजे मतदान खत्म होने के समय तक कांग्रेस के 3 और आरजेडी के 1 विधायक महागठबंधन उम्मीदवार को वोट देने नहीं पहुंचे। मतदान में

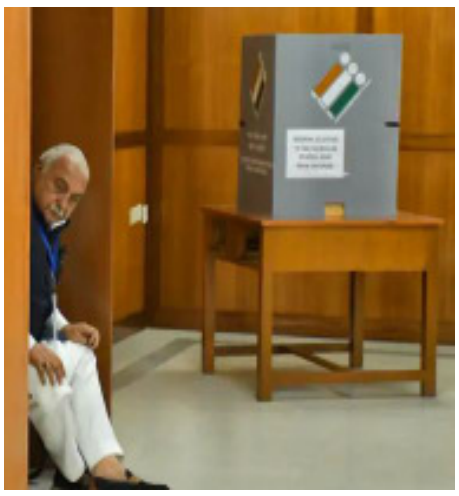

इन 4 विधायकों के शामिल नहीं होने से एडी सिंह को 41 वोट की जगह 37 वोट ही पड़े। हालांकि तेजस्वी यादव ने रात भर होटल में विधायकों को रखा था।हरियाणा में राज्यसभा की 2 सीटों के लिए नतीजा वोटिंग के करीब 9 घंटे बाद आधी रात को 1 बजे जारी हुआ। भाजपा के संजय भाटिया और कांग्रेस के कर्मवीर बौद्ध ने जीत हासिल की है। भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल को हार का सामना करना पड़ा। चुनाव में 90 विधायकों के वोट थे, जिनमें से इंडियन नेशनल लोकदल के 2 विधायकों ने वोट नहीं डाला। कांग्रेस के 4 और भाजपा का 1 वोट रद्द हो गया, जिसके चलते 83 वोट वैध माने गए। भाजपा के 48 वोट थे। एक वोट रद्द हो गया। पहली प्राथमिकता में वाले वोट भाटिया को 39 और नांदल को 8 मिले। कांग्रेस के 37 विधायक थे। 4 वोट रद्द हो गए। 5 ने क्रॉस वोटिंग की। ऐसे में 28 वोट बचे। संजय भाटिया को पहली प्राथमिकता के 27.66 वोट मिले। निर्दलीय नांदल को 27.34 वोट मिले, जबकि कांग्रेस के कर्मवीर बौद्ध को 28 वोट मिले। इस प्रकार, नांदल, बौद्ध से केवल 0.66 वोट, यानी एक वोट से भी कम अंतर से हार गए। इसके पहले वोट पर विवाद हो गया था। सोमवार को विधायकों ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के 'पहरे' में वोट डाले। सीक्रेसी को लेकर भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने आ गईं। कांग्रेस ने कैबिनेट मंत्री अनिल विज और भाजपा ने कांग्रेस विधायक परमवीर सिंह और भरत बेनीवाल के वोट की गोपनीयता पर सवाल उठाए। आरोप है कि वोट अधिकृत एजेंट्स के अलावा अन्य लोगों को दिखाए गए।आयोग ने परमवीर का वोट अमान्य करार दिया। शाम 7 बजे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्रीय चुनाव आयोग को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की। ओडिशा में भाजपा के मनमोहन सामल, सुजीत कुमार और एनडीए समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप रे ने जीत हासिल की। चौथी सीट पर बीजू जनता दल (बीजेडी) के संत्रुप्ता मिश्रा विजयी हुए। बीजेडी के दत्तेश्वर होता को हार का सामना करना पड़ा। भुवनेश्वर में राज्यसभा की वोटिंग के दौरान बीजेडी और भाजपा के विधायकों के बीच हाथापाई हुई।

'उत्पात नहीं मचाएंगे',शर्तों को मानने पर 8 विपक्षी सांसदों से हटा सस्पेंशन बीजेपी का दो अहम समझौतों का दावा

नयी दिल्ली।बैठक में यह भी तय हुआ था कि निलंबित सांसदों

को आगे से सदन में मर्यादा बनाए रखने और किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक या अनुचित भाषा का प्रयोग न करने की हिदायत दी जाएगी। मंगलवार को विपक्ष की ओर से संसद में 8 सांसदों का निलंबन समाप्त करने के लिए प्रस्ताव लाया गया, जिस पर सदन की सहमति से निर्णय लिया गया। बताया जा रहा है कि हाल ही में सदन की कार्यवाही के दौरान हंगामे और कथित तौर पर अनुचित भाषा के इस्तेमाल के कारण आठ सांसदों को निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद विपक्ष ने इस फैसले पर आपत्ति जताते हुए इसे वापस लेने की मांग की थी। सोमवार को हुई सर्वदलीय बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई और अंततः इस बात पर सहमति बनी थी कि सदन के सुचारु संचालन और राजनीतिक सहमति के माहौल को बनाए रखने के लिए निलंबन वापस लिया जाना चाहिए। प्रस्ताव पारित होने के बाद अब यह सभी सांसद संसद की कार्यवाही में सुचारू रूप से भाग ले सकेंगे। क्यों निलंबित किए गए थे सांसद- बता दें कि सदन की कार्यवाही में बाधा डालने और बजट सत्र के शेष समय के लिए अध्यक्ष की ओर कागज फेंकने के आरोप में 7 कांग्रेस सांसद और मदुरै से 1 सीपीएम सांसद को निलंबित कर दिया गया था। निलंबित किए गए सांसदों में हिबी ईडन, अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, मणिक्कम टैगोर, गुरजीत सिंह औजला, किरण कुमार रेड्डी, प्रशांत पाडोले, एस वेंकटेशन और दीन कुरियाकोस शामिल थे।

ईरान युद्ध का असर भारत में चुनावी जंग! 5 राज्यों के सियासी रण में भी दिखेगा ईरान का असर

कोलकाता। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी में चुनाव की तारीखों का ऐलान ऐसे समय किया है, जब देश-

दुनिया के सामने कई चुनौतियां हैं। खाड़ी क्षेत्र में युद्ध की आशंका से एलपीजी सिलिंडर की किल्लत, बढ़ती तेल कीमतें, गिरता शेयर बाजार और अर्थव्यवस्था पर दबाव चिंता बढ़ा रहे हैं। ईरान और अमेरिका-इस्राइल तनाव के कारण कई भारतीय वहां फंसे हैं। तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के लाखों लोग खाड़ी देशों में काम करते हैं, इसलिए वहां की स्थिति इन राज्यों की राजनीति और जनमानस को प्रभावित कर सकती है। कई सवाल। अंतरराष्ट्रीय अस्थिरता के बीच देश में चुनावी माहौल बन रहा है। इस बार घरेलू मुद्दों के साथ वैश्विक हालात का असर भी दिख सकता है। ऐसे में कई सवाल हैं। क्या ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में चौथी बार सत्ता बचा पाएंगी? क्या एमके स्टालिन तमिलनाडु में फिर जीतेंगे? क्या असम में ??बीजेपी हैट्रिक लगाएगी और क्या केरल में वाम मोर्चा अपना किला बचा पाएगा?बंगाल के मुद्दे। ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में चौथी बार सत्ता में लौटने के लिए पूरा जोर लगा रही हैं। बीजेपी उन्हें सत्ता से हटाने की कोशिश में है। दोनों के बीच कड़ा मुकाबला माना जा रहा है। बंगाल की राजनीति में बांग्लादेश सीमा, घुसपैठ और सामाजिक समीकरण अहम मुद्दे हैं। चुनावी कार्यक्रम घोषित होने से पहले ममता ने कर्मचारियों, पेंशनरों और शिक्षकों के लंबित महंगाई भत्ते के भुगतान का ऐलान किया। साथ ही पुजारियों और मुअज्जिनों का मानदेय 500 से बढ़ाकर 2000 रुपये कर दिया। इसे हिंदू-मुस्लिम - दोनों को साधने की कोशिश माना जा रहा है। घोटालों का आरोप। बीजेपी घुसपैठ, भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था और बेरोजगारी को मुद्दा बनाकर ममता सरकार पर हमला कर रही है। शिक्षक भर्ती, कोयला और राशन घोटालों को भी उछाला जा रहा है। वहीं, ममता बनर्जी केंद्र पर एजेंसियों के दुरुपयोग और भेदभाव का आरोप लगाते हुए लक्ष्मी भंडार, छात्रवृत्ति व सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को अपनी उपलब्धि बता रही हैं। बदल रहे समीकरण। लेफ्ट और कांग्रेस के कमजोर होने के बाद पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) मजबूत हुई है। इस बार बीजेपी ही ममता को सीधी चुनौती देती दिखती है। बीजेपी उन पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाती है, जबकि टीएमसी का कहना है कि बीजेपी घुसपैठ के मुद्दे से ध्रुवीकरण करती है। 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में करीब 27फीसदी मुस्लिम आबादी है, इसलिए उनका रुझान चुनावी समीकरण बदल सकता है। लेफ्ट के कमजोर होने के बाद मुस्लिम वोटर्स टीएमसी की ओर गए, जबकि कुछ हिंदू वोट बीजेपी को मिले। अब असदुद्दीन ओवैसी की AIMIM और अन्य नई ताकतें भी समीकरण बदलने की कोशिश कर रही हैं।

तमिलनाडु में बीजेपी और कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के सहारे चुनाव लड़ती हैं। यहां मुख्य मुकाबला डीएमके और एआईडीएमके के बीच है। जयललिता के निधन के बाद एआईडीएमके लगातार कमजोर हुई। पन्नीरसेल्वम के डीएमके में शामिल होने से पार्टी को बड़ा झटका लगा है। दूसरी ओर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके अपना गठबंधन मजबूत कर रही है। अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम तीसरे विकल्प के रूप में उभर रही है। विजय ने सभी 234 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है, लेकिन उनकी वास्तविक ताकत और संभावित गठबंधन पर सस्पेंस है। बीजेपी को भरोसा। केरल में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट देश में लेफ्ट का आखिरी मजबूत गढ़ माना जाता है, लेकिन सवाल है कि क्या इस बार वह हैट्रिक लगा पाएगा? भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व वाली सरकार को बढ़ते असंतोष का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाने की कोशिश में है। बीजेपी अभी तक विधानसभा में खाता नहीं खोल पाई, लेकिन पिछले साल दिसंबर में तिरुवनंतपुरम नगर निगम जीतकर मेयर बनाने को राज्य में बढ़ते प्रभाव के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

लिटमस टेस्ट। असम में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पूरे आत्मविश्वास के साथ चुनावी मैदान में हैं। वह अवैध घुसपैठ, असमिया पहचान, सीमा सुरक्षा और विकास को मुख्य मुद्दा बना रहे हैं। बीजेपी का कहना है कि उनकी सरकार ने बुनियादी ढांचे, निवेश और कानून-व्यवस्था में काम किया है और इसी आधार पर लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की उम्मीद कर रही है। 2023 में हुए परिसीमन को विपक्षी दलों ने राजनीतिक संतुलन बिगाड़ने वाला बताया है, जबकि बीजेपी इसे संवैधानिक प्रक्रिया मानती है। कांग्रेस पूरी ताकत से महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और बुनियादी ढांचे को मुद्दा बनाकर चुनाव लड़ रही है और बड़ा गठबंधन बनाने की कोशिश में है। यह चुनाव कांग्रेस और बीजेपी- दोनों के लिए लिटमस टेस्ट होगा।

अब साफ हवा में लीजिए सांस! बारिश के बाद दिल्ली की एयर क्वालिटी में सुधार

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार की बारिश के बाद दिल्ली की हवा में और सुधार दर्ज किया

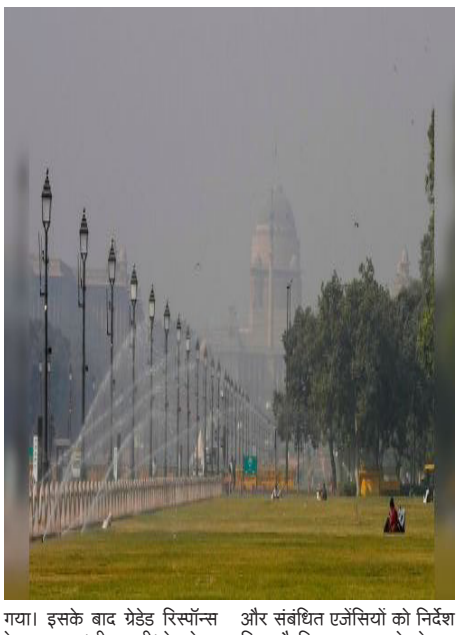

गया। इसके बाद ग्रेडेड रिस्पॉन्स ऐक्शन प्लान (जीआरएपी) के स्टेज-1 को हटा दिया गया। इस साल पहली बार ऐसा हुआ है जब प्रदूषण का स्तर कम होने के कारण जीआरएपी-1 हटाया गया है। सोमवार को दिल्ली का एक्यूआई 119 दर्ज किया गया। सुबह यह 97 था, जो 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है। पिछले एक सप्ताह से दिल्ली में एक्यूआई लगातार कम हो रहा था और हवा की स्थिति खराब से सामान्य स्तर की ओर जा रही थी।कमिशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट ने आदेश जारी कर बताया कि 16 मार्च को शाम 4 बजे दिल्ली का एक्यूआई 119 दर्ज किया गया, जो 'सामान्य' श्रेणी में आता है। मौसम की अनुकूल परिस्थितियों के कारण हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। आयोग की सब-कमिटी की बैठक में मौजूदा हालात और IMD-IITM के अनुमान की समीक्षा की गई। समीक्षा के बाद तय किया गया कि दिल्ली-एनसीआर में लागू जीआरएपी और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया है कि पल्यूशन को दोबारा 'खराब' श्रेणी में जाने से रोकने के लिए सभी दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन किया जाए।दिल्ली में सिर्फ एक दिन की हल्की बारिश ने मौसम सुहाना कर दिया। अब मौसम विभाग ने 18 से 20 मार्च तक हल्की बारिश का अनुमान जताया है। 20 मार्च के लिए विभाग ने येलो अलर्ट भी जारी किया गया है, इस दिन हल्की बारिश के साथ तेज रफ्तार हवाएं चल सकती है। इस हिसाब से अगले कुछ दिनों में तेज हवाओं और हल्की बारिश के कारण दिन के तापमान में 3-4 डिग्री की गिरावट भी देखने को मिल सकती है। सोमवार को ठंडी हवाओं के साथ सुबह और शाम को मौसम सुहाना रहा, हालांकि दिन में धूप तेज लगी। अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 17 मार्च को भी दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

जहां मंदिरों पर हमले और भारतीयों संग मारपीट,और उसपर आरएसएस और रॉव पर बैन की मांग,पहले खुद के गिरेबान में झांके अमेरिका

वॉशिंगटन। अमेरिका में भारतीय प्रोफेशनल्स और स्टूडेंट्स को निशाना बनाया गया है।साल

2025-26 में ही भारतीय छात्र विवेक सैनी की अमेरिका के जार्जिया में हत?या कर दी गई। उसे 50 बार हथौड़े से मारा गया था। इसके अलावा अमेरिका के ओहियो में उमा सत?य साई गाड्डे की हत्या कर दी गई। लॉस एंजिलिस में 70 साल के सिख बुजुर्ग पर हमला किया गया। फ्लोरिडा में एक भारतीय मूल की नर्स पर हमला किया गया। अमेरिकी सोशल मीडिया में भी भारतीयों के खिलाफ घृणा से भरे बयान बढ़ गए हैं।यूएससीआईआरएफ ने इसने अमेरिका सरकार को सिफारिश की कि भारत को 'व्यवस्थित, जारी और गंभीर धार्मिक स्वतंत्रता उल्लंघन में शामिल होने और सहन करने' के लिए 'विशेष चिंता वाले देश' के रूप में नामित किया जाना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया कि 2025 में, भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति लगातार बिगड़ती रही, क्योंकि सरकार ने धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों और उनके पूजा स्थलों को लक्षित करने वाले नए कानून पेश किए और लागू किए। इसमें कहा गया, 'कई राज्यों ने जेल की सख्त सजा लाने के लिए धर्मांतरण-रोधी कानूनों को लागू करने या मजबूत करने के प्रयास किए। भारतीय अधिकारियों ने नागरिकों और धार्मिक शरणार्थियों की व्यापक हिरासत और अवैध निष्कासन की भी सुविधा प्रदान की तथा धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ हमलों को सहन किया।' रिपोर्ट में 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भी जिक्र किया गया है। हमले पर रिपोर्ट में कहा गया कि ''तीन बंदूकधारियों ने कश्मीर के मुस्लिम-बहुल क्षेत्र में मुख्य रूप से हिंदू पर्यटकों'' के एक समूह पर हमला किया, जिसमें 26 लोग मारे गए। इस बीच भारत ने अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) की उस रिपोर्ट को पूरी तरह खारिज किया है जिसमें भविष्य में अमेरिकी सुरक्षा सहायता और भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार नीतियों को धार्मिक स्वतंत्रता में सुधार से जोड़ने का सुझाव दिया गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि यूएससीआईआरएफ लगातार भारत की 'गलत' तस्वीर पेश कर रहा है, और यह वस्तुनिष्ठ तथ्यों के बजाय 'संदिग्ध स्रोतों और वैचारिक कथनों' पर भरोसा कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'हमने आयोग की नवीनतम रिपोर्ट का संज्ञान लिया है और इसके पक्षपातपूर्ण एवं राजनीति से प्रेरित चित्रण को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं। पिछले कई वर्षों से यह आयोग वस्तुनिष्ठ तथ्यों के बजाय गलत विवरण प्रस्तुत करता रहा है।' जायसवाल ने कहा कि ऐसे 'बार-बार किए गए गलत बयानों' से आयोग की विश्वसनीयता ही कम होती है। उन्होंने कहा, 'भारत की चयनात्मक आलोचना जारी रखने के बजाय आयोग को अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर हमलों, भारत को चुनिंदा रूप से निशाना बनाने और वहां भारतीय प्रवासियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा एवं धमकियों पर ध्यान देना चाहिए।'

मेरा हसबैंड गे है, घरवाले ये नहीं जानते,मैं तलाक के लिए कहती हूं तो आत्महत्या की धमकी देते हैं, मैं क्या करूं

नयी दिल्ली। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश

और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर से सवाल जवाब के माध्यम से- सवाल- मेरी उम्र 33 साल है। मैं झारखंड की रहने वाली हूं। चार साल पहले सिंगापुर में मेरी अरेंज मैरिज हुई। लड़का मेरे पापा के दोस्त का बेटा था। पापा ने बस ये देखा कि लड़के की जॉब अच्छी है, परिवार समृद्ध है और शादी कर दी। शादी के बाद चार महीने गुजर गए और मेरे हसबैंड ने मुझे हाथ भी नहीं लगाया। मुझे ये बहुत अजीब लगता था, लेकिन किसी से कुछ कहने की हिम्मत नहीं हुई। शादी के छह महीने गुजर जाने के बाद मुझे पता चला कि मेरे हसबैंड गे हैं और ये शादी उन्होंने अपने पैरेंट्स के दबाव में की है। उनके घरवालों को भी उनकी सेक्शुएलिटी के बारे में कुछ भी पता नहीं था। शादी को चार साल हो गए हैं और हम दोनों भाई-बहन की तरह रहते हैं। हमारे परिवार इतने कंजरवेटिव हैं कि मेरी भी उनसे बात करने की हिम्मत नहीं होती। मेरे हसबैंड कहते हैं कि अगर घरवालों को उनका सच पता चल गया तो वो आत्महत्या कर लेंगे। उनके पिता ये बर्दाश्त ही नहीं कर सकते कि उनका बेटा होमोसेक्शुअल है। सबकी परवाह करने, सबकी खुशी का ख्याल रखने में मेरी खुशियों का गला घुट गया है। मैं क्या करूं, प्लीज हेल्प मी? आप एक बहुत तकलीफदेह अनुभव से गुजर रही हैं। शादी का संबंध एक भरोसे और विश्वास के साथ शुरू होता है। इस रिश्ते में भरोसे की जगह आपको दुख, धोखा और अकेलापन मिला। इस दुख की कई परतें हैं। यह इमोशनल, सेक्शुअल पेन तो है ही, साथ ही इसकी कई सांस्कृतिक परतें भी हैं। शादी के चार साल गुजर जाने के बाद भी आप और आपके पति के बीच कोई फिजिकल रिलेशन नहीं है। मैरिटल और लीगल, दोनों ही नजरिए से यह कोई मामूली बात नहीं। इस रिश्ते में म्यूचुअल कंसेंट और इंटीमेसी, दोनों ही चीजों का अभाव है, जो कि शादी की बुनियाद है। हिंदू मैरिज एक्ट के तहत अगर विवाह में शारीरिक निकटता नहीं हुई है तो वह शादी वैध नहीं मानी जाती और इस आधार पर कोर्ट से शादी को रद्द किया जा सकता है। भारतीय विवाह कानून इसे शादी को खत्म करने का वैलिड आधार मानता

है। आपके पास दोनों ही विकल्प मौजूद हैं। आप अपनी शादी को कोर्ट से रद्द भी करवा सकती हैं या फिर आपसी सहमति के आधार पर तलाक भी ले सकती हैं। आपके पति ने यह जानते हुए भी आपसे शादी की कि वे समलैंगिक (गे) हैं। मानवीय आधार पर उनकी तकलीफ को भी समझा जा सकता है। भारतीय समाज इस मामले में आज भी बहुत कंजरवेटिव है और यहां समलैंगिक होना किसी अपराध से कम नहीं, भले ही कानून इसकी इजाजत देता हो। ऐसे में उनके मन में रिजेक्शन का डर होगा, अपना सच बताने का साहस नहीं होगा। ये सारी

बातें वैलिड हैं और इसके लिए इंपैथी भी है। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने आपके साथ जो किया, वो गलती कम नहीं हो जाती। अपना सच बताए बगैर, किसी को अंधेरे में रखकर शादी करना और फिर आत्महत्या करने की बात करना, इसे किसी भी तर्क से जायज नहीं ठहराया जा सकता है। इसलिए याद रखिए कि अगर इस पूरे प्रकरण में सचमुच कोई विक्टिम है और किसी के साथ गलत हुआ है तो वो आप हैं। ये 10 बातें आप याद रखिए और खुद को रोज याद दिलाइए। जहां एक ओर शादी में इंटीमेसी और सेक्स का न होना सामाजिक तौर पर सामान्य प्रतीत होता है, वहीं मनोवैज्ञानिक तौर पर इसके प्रभाव बहुत गहरे होते हैं। यह एक तरह का साइकोलॉजिकल ट्रॉमा है, जिसका असर उतना ही घातक होता है, जितना कि इमोशनल नेगलेक्ट का होता है। व्यक्ति में शर्म और डर के भाव पैदा होते हैं, आत्मविश्वास खत्म हो जाता है। ऐसे में कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी पर आधारित काउंसलिंग और ट्रॉमा फोकस्ड थेरेपी से मदद मिल सकती है। आपके पति का ये कहना कि अगर उनकी सच्चाई के बारे में घरवालों को पता चला तो वो आत्महत्या कर लेंगे। इस बात को गंभीरता से लेने की जरूरत है क्योंकि यह एक मेंटल हेल्थ रिस्क है। लेकिन याद रखिए कि यह आपकी जिम्मेदारी या आप पर कोई बोझ नहीं है। आप परवाह कर सकती हैं, लेकिन इसका मतलब ये कतई नहीं है कि आप अपने वेलबीइंग, अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को इग्नोर करें। यहां कुछ बातें ध्यान रखने की हैं- किसी व्यक्ति का आत्महत्या की धमकी देना इस बात का संकेत है कि वो मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है। उसे मेडिकल अटेंशन की जरूरत है। उसे किसी प्रोफेशनल काउंसलर की मदद चाहिए। यह ब्लैकमेलिंग है और इससे डरने की जरूरत नहीं है। यह धमकी कोई वैलिड कारण नहीं है कि आप उसकी बात मानकर चुप रहें। भारतीय कानून आपको इस शादी से अलग होने की इजाजत और सहूलियत देता है। मेरा सुझाव है कि आप डरने की बजाय अपने और अपने पति के घरवालों से इस बारे में खुलकर बात करें और डिवोर्स की प्रक्रिया शुरू करें। आप म्यूचुअल कंसेंट से डिवोर्स ले सकती हैं और अगर ऐसा मुमकिन न हो तो अपनी शादी को रद्द करने के लिए भी कोर्ट में अर्जी दे सकती हैं। लेकिन इसकी शुरुआत बातचीत से ही करनी होगी। पति से इस विषय पर बात कैसे करें- सबसे पहले खुद को मेंटली और इमोशनली तैयार करें। बात करने के लिए शांत, प्राइवेट जगह चुनें। बातचीत का मुख्य पहलू हैं- शांति के साथ सच बोलना। दोष नहीं देना। बात की शुरुआत इंपैथी से करें, आरोप न लगाएं। जैसेकि 'मैं तुम्हारी

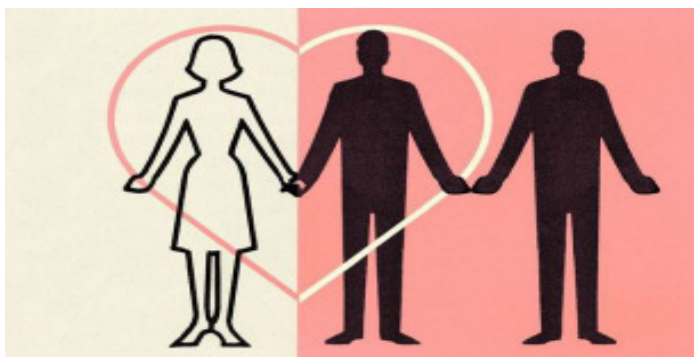

जा सकता है। इसलिए याद रखिए कि अगर इस पूरे प्रकरण में सचमुच कोई विक्टिम है और किसी के साथ गलत हुआ है तो वो आप हैं। ये 10 बातें आप याद रखिए और खुद को रोज याद दिलाइए। जहां एक ओर शादी में इंटीमेसी और सेक्स का न होना सामाजिक तौर पर सामान्य प्रतीत होता है, वहीं मनोवैज्ञानिक तौर पर इसके प्रभाव बहुत गहरे होते हैं। यह एक तरह का साइकोलॉजिकल ट्रॉमा है, जिसका असर उतना ही घातक होता है, जितना कि इमोशनल तकलीफ भी समझ सकती हूं। मुझे पता है, तुम पर बहुत प्रेशर है। लेकिन ये चुप्पी मुझे तकलीफ दे रही है। मैं इस तरह से जीना डिजर्व नहीं करती। मुझे भी प्यार और खुशी पाने का हक है।' मौजूदा रिश्ते में स्पष्ट बाउंड्री बनाएं। जैसेकि- 'मैं इस शादी में नहीं रह सकती, जहां कोई इंटीमेसी नहीं है। तुम्हारे लिए मेरे मन में बहुत सम्मान और हमदर्दी है, लेकिन मुझे अपनी जिंदगी में आगे बढ़ना है।' बातचीत में आगे का रास्ता क्लीयर करें। जैसेकि- 'हमें आपसी सहमति से सम्मान के साथ अलग हो जाना चाहिए। इससे हम दोनों का सम्मान बना रहेगा और पब्लिकली कोई विवाद नहीं होगा।' बिना कोई जिम्मेदारी या अपराध बोध महसूस किए अपने पति की भावनाओं और सेफ्टी को भी एड्रेस करें। जैसेकि- 'अगर तुम्हें निराशा और अकेलापन महसूस होता है तो तुम काउंसलर की हेल्प लो। तुम्हारी जिंदगी और खुशी मायने रखती है, लेकिन मैं दुखी और आपसी सहमति से यह शादी खत्म कर रहे हैं। अगर हसबैंड की सेक्शुएलिटी के बारे में बताने से उसे रिस्क हो तो इस बात को उजागर न करें। चार हफ्ते का सेल्फ हेल्प प्लानः- (सप्ताह1) ग्राउंडिंग और क्लैरिटी- रोज डायरी लिखें। खुद को याद दिलाएं, इसमें मेरी कोई गलती नहीं है। मैं अपनी तरफ से ईमानदार थी। दूसरे व्यक्ति के लिए इंपैथी रखें, लेकिन याद रखें, अपने लिए भी इंपैथी जरूरी है। ब्रीदिंग टेक्नीक फॉलो करें।स्लीप हाइजीन का ध्यान रखें। 8 घंटे की नींद जरूर लें। सेहत और फूड का भी ख्याल रखें। (सप्ताह 2) इमोशनल एक्सप्रेशन- कोई वुमेन सपोर्ट ग्रुप जॉइन करें। कोई थेरेपी ग्रुप जॉइन करें। जरूरत हो तो प्रोफेशनल हेल्प लें। काउंसलर के पास जाएं। (सप्ताह 3) एसर्ट करना सीखें- किसी तरह का गिल्ट न महसूस करें। खुद को रोज याद दिलाएं- इसमें आपकी कोई गलती नहीं है। याद रखें, सेल्फ केयर आपकी जिम्मेदारी है। रोज आईने के सामने खड़ी होकर कहें- 'आय केयर फॉर मायसेल्फ।' (सप्ताह 4) प्रैक्टिकल प्लानिंग- अपने सारे पर्सनल डॉक्यूमेंट जमा करें। सारे जरूरी कागज एक जगह सेव करें। किसी पहचान के लॉयर से संपर्क करें। पति का घर छोड़कर कहीं और रिलोकेट करें। शांति और धैर्य से आगे की प्लानिंग करें। निष्कर्षः- आपकी शादी की बुनियाद ही गलत थी। यह झूठ और धोखे के साथ बना रिश्ता था। इस शादी को तोड़कर आप कुछ भी गलत नहीं करेंगी। इसलिए किसी तरह का गिल्ट मत महसूस करिएगा। आपके पास पूरा अधिकार है कि आप गरिमा और सम्मान के साथ इस रिश्ते को खत्म करें और अपनी जिंदगी में आगे बढ़ें। दूसरों के प्रति करुणा बरतना हमारी इंसानी जिम्मेदारी तो है, लेकिन हमारी सबसे पहली और सबसे बड़ी जिम्मेदारी खुद अपने प्रति है। आप अपने प्रति वो जिम्मेदारी निभाइए।

रेखा को शशि कपूर ने कहा था काली-मोटी एक्ट्रेस,आज इनकी खूबसूरती पर होते हैं एकेडमिक कोर्स

मुंबई। 'खूबसूरत' अदाकारा रेखा आज 71 साल की हो चुकी हैं। उन्होंने 50 से ज्यादा सालों में अपने दमदार अभिनय, ट्रेंडसेटर स्टाइल और चार्मिंग पर्सनैलिटी से इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई। 'उमराव जान', 'खून भरी मांग', 'सिलसिला',

'खूबसूरत' और कई अन्य फिल्मों में उनकी अदाएं लाखों लोगों के दिलों को छू गईं। हालांकि, ये आला मुकाम हासिल करना उनके लिए आसान नहीं था। कभी रेखा को बढ़े वजन को लेकर ताने मिले, कभी शशि कपूर ने काली- मोटी कहा, लेकिन आज इन्हीं रेखा की खूबसूरती पर एकेडमिक कोर्स करवाया जाता है। आज उनके जन्मदिन के खास मौके पर पढ़िए कैसे रेखा ने संघर्षों को पीछे छोड़ पलट दी किस्मत- रेखा का असली नाम भानुरेखा गणेशन है। उनके पिता साउथ एक्टर जेमिनी गणेशन और मां एक्ट्रेस पुष्पावली थीं। रेखा का जन्म तब हुआ जब उनके माता-पिता शादीशुदा नहीं थे। जेमिनी

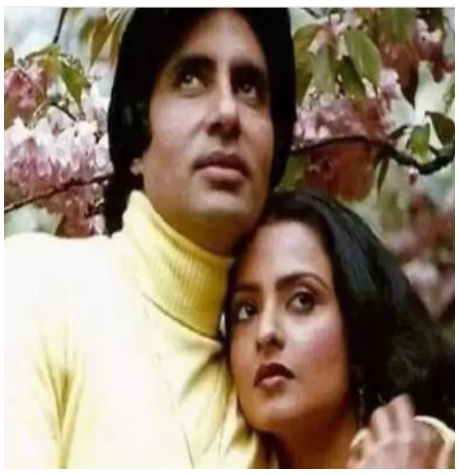

गणेशन पहले से शादीशुदा थे और उनके कई बच्चे थे। पुष्पावली की भी पिछली शादी से दो बच्चे थे। तलाक की मान्यता न होने के चलते दोनों कभी शादी नहीं कर सके। यही वजह रही कि जेमिनी गणेशन ने रेखा को नहीं अपनाया और न ही उन्हें अपना नाम दिया। रेखा की छोटी बहन के जन्म के बाद जेमिनी गणेशन ने तीसरी शादी कर ली और परिवार से संबंध लगभग खत्म कर दिए। ऐसे में मां ने छोटे-मोटे रोल कर बच्चों की परवरिश की। पारिवारिक संघर्ष के बाद रेखा को शुरुआती पढ़ाई में भी कई तकलीफों का सामना करना पड़ा। बढ़े वजन के चलते उनका खूब मजाक उड़ाया जाता था, यही वजह रही कि डांस और खेल में रुचि होने के बावजूद झिझकती रहीं।

फिल्मों की बात करें तो रेखा ने मात्र 3 साल की उम्र से एक्टिंग करनी शुरू कर दी थी। वह कभी भी एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थीं, लेकिन परिवार के हालात खराब थे और मां की हिदायत पर उन्होंने फिल्मों में काम करना शुरू किया। जब वह केवल 4 साल की थीं, तो चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर पहली बार तेलुगु फिल्म इंटि गुत्तु (1958) में नजर आईं।

इसके बाद उन्होंने 1968 में आई तेलुगु फिल्म रंगुला रत्नम में भी एक्टिंग की। रेखा की बॉलीवुड फिल्मों में एंट्री की बात करें तो प्रोड्यूसर कुलजीत पाल अपनी फिल्म की हीरोइन की तलाश में थे। किसी ने उन्हें बताया कि साउथ में एक रेखा नाम की एक्ट्रेस है, जो थोड़ी बहुत हिंदी बोल लेती है। इसके बाद कुलजीत पाल ने रेखा से मुलाकात की और पूछा कि क्या वह फिल्म में काम करना चाहती हैं और हिंदी बोल सकती हैं? इन दोनों सवालों के जवाब में रेखा ने ना कहा था। हालांकि, इसके बावजूद कुलजीत पाल ने कहा कि कल ऑडिशन के लिए आ जाओ। रेखा ने स्क्रीन टेस्ट में हिंदी के कुछ वाक्य अच्छी तरह से याद कर सुनाए, जिससे पाल इंप्रेस हो गए और उनके साथ 5 साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया, जिसमें चार फिल्में करनी थीं। इस तरह रेखा को उनकी पहली फिल्म अनजाना सफर के लिए सिलेक्ट किया गया। इस तरह रेखा मात्र 13-14 साल की उम्र में मुंबई, माया नगरी पहुंचीं और अपनी पहली फिल्म की शूटिंग शुरू की। हालांकि, बॉलीवुड में उनका यह सफर इतना आसान नहीं था। उनके रंग, वजन और टूटी-फूटी हिंदी पर कई बार ताने मारे गए। कई लोग तो उन्हें 'मद्रासन' (दक्षिण भारतीय लड़की) कहकर चिढ़ाते थे। रेखा की पहली हिंदी फिल्म अंजाना सफर थी, लेकिन सेंसरशिप की समस्याओं के कारण इसे दो शिकार के नाम से दस साल बाद रिलीज किया गया। इसलिए उनकी पहली रिलीज हिंदी फिल्म सावन भादों (1970) रही थी। रेखा पर बायोग्राफी लिखने वाले यासिर उस्मान अपनी किताब में लिखते हैं, फिल्म सावन भादों के प्रीमियर के दौरान शशि कपूर ने कहा था,'इतनी काली, मोटी और अजीब दिखने वाली यह एक्ट्रेस कैसे सफल होगी?' हालांकि, ये फिल्म हिट साबित हुई और इससे रेखा को रातोंरात पहचान मिल गई। इसके बाद रेखा ने रामपुर का लक्ष्मण (1972), कहानी किस्मत की (1973) और प्राण जाए पर वचन न जाए (1974) जैसी फिल्मों में काम किया। ये फिल्में हिट रहीं, लेकिन उनकी एक्टिंग को ज्यादा सराहना नहीं मिली।फिर 1976 में दो अनजाने और 1978 में घर और मुकद्दर का सिकंदर जैसी फिल्मों में क्रिटिक्स ने भी उनकी एक्टिंग की तारीफ की। इसके बाद फिल्म खूबसूरत (1980) के लिए उन्हें पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। उन्होंने सिलसिला (1981), उमराव जान (1981) और इजाजत (1987) जैसी फिल्मों में भी शानदार एक्टिंग की। उमराव जान के लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड मिला। 1990 के दशक में उनके रोल कम होते गए, लेकिन खून भरी मांग (1988) और खिलाड़ियों का खिलाड़ी (1996) में उनकी अदाकारी की तारीफ हुई।

2000 के दशक के बाद वे मां और सपोर्टिंग रोल में नजर आईं, जैसे कोईष्ठ मिल गया (2003) और कृष (2006)। वहीं, रेखा की आखिरी तीन फिल्मों में सदियां (2010), कृष 3 (2013) - किरदारः सोनिया मेहरा और सुपर नानी (2014) शामिल हैं। रेखा की गिनती उन एक्ट्रेस में होती है जिनका फिल्मी करियर जितना चर्चित था, उतनी ही उनकी पर्सनल लाइफ भी चर्चा में रही। 1971 में रेखा को फिल्म एक बेचारा में जीतेंद्र के साथ साइन किया गया। जीतेंद्र उस वक्त कुंवारे थे और अपनी लोकप्रियता के चरम पर थे। दोनों के अफेयर की खबरें सामने आईं। शिमला में शूटिंग के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और मुंबई लौटने के बाद यह रिश्ता और गहरा गया। फिल्म एक बेचारा की कामयाबी के बाद दोनों ने फिल्म अनोखी अदा भी साइन की, लेकिन कहानी में मोड़ तब आया जब रेखा को पता चला कि जीतेंद्र की पहले से एक गर्लफ्रेंड शोभा हैं। रेखा के लिए यह झटका था। दिल टूटने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि जीतेंद्र के लिए यह रिश्ता सिर्फ टाइमपास था। फिल्म की शूटिंग के दौरान उनके झगड़े इतने बढ़ गए कि सेट पर सबके सामने बातें होने लगीं। एक दिन जीतेंद्र की कोई टिप्पणी सुनकर रेखा फूट-फूटकर रो पड़ीं और उनके बीच बातचीत बंद हो गई। फिल्म किसी तरह पूरी हुई और ये रिश्ता खत्म हो गया। जीतेंद्र के बाद रेखा की जिंदगी में विनोद मेहरा आए। दोनों अक्सर एक साथ हाथों में हाथ डाले, लंबी ड्राइव्स पर और देर रात ताज होटल में डिनर करते हुए देखे जाते थे। रेखा प्यार से उन्हें 'विन-विन' बुलाती थीं। रेखा के लिए विनोद मेहरा वह इंसान थे, जिन्होंने उन्हें बिना शर्त चाहा। उन्होंने रेखा के विवादों और मीडिया की नकारात्मक छवि के बावजूद उनका साथ दिया, लेकिन विनोद की मां, कमला दोनों के रिश्ते के खिलाफ थीं। उनके लिए रेखा खराब पास्ट और सेक्स मैनिएक की छवि वाली एक 'बदनाम' अभिनेत्री थीं, जो बहू बनने लायक नहीं थीं। ये कुछ फिल्मों की सफलता के बाद 1972 में मुंबई में अपना फ्लैट खरीदा। इससे पहले तक वो सिर्फ शूटिंग के लिए मुंबई आती थीं और होटल में ठहरती थीं, लेकिन 1972 में वो होटल अजंता छोड़कर जुहू के बीच अपार्टमेंट में शिफ्ट हुईं।

इसी अपार्टमेंट में उस समय जया भादुड़ी भी रहती थीं। अपार्टमेंट्स में रहते हुए रेखा और जया अक्सर मिलती थीं। रेखा जया को प्यार से 'दीदीभाई' कहती थीं और अक्सर उनके फ्लैट पर जाती थीं। वहीं, रेखा की जया के बॉयफ्रेंड अमिताभ बच्चन से भी पहली मुलाकात हुई। 1973 में जया और अमिताभ की फिल्म 'जंजीर' रिलीज हुई, जिसने अमिताभ को 'एंग्री यंग मैन' के रूप में स्थापित किया। इसके बाद जया और अमिताभ ने शादी करने का फैसला किया। 3 जून 1973 को उनकी शादी हुई, लेकिन रेखा को इसमें आमंत्रित नहीं किया गया। रेखा ने इसे लेकर नाराजगी जताई और कहा कि जया ने कभी भी उन्हें वास्तविक बहन की तरह नहीं माना। अमिताभ और रेखा ने पहली बार फिल्म दो अनजाने में स्क्रीन शेयर की थी। फिल्म की शूटिंग के दौरान अमिताभ की पंक्चुएलिटी और प्रोफेशनलिज्म से रेखा प्रभावित हुईं। रेखा ने पहली बार गंभीरता से अपने रोल को समझना शुरू किया और समय पर सेट पर आने लगीं और साथ

बात खुद रेखा ने रेखाः द अनटोल्ड स्टोरी में कही थी। बुक में राइटर यासिर उस्मान ने लिखा, रेखा ने विनोद की मां का दिल जीतने की कोशिश की। वह विनोद के घर जाकर उनकी मां के लिए फिश करी बनातीं, बहन के साथ वक्त बितातीं, लेकिन कमला ने उन्हें नहीं अपनाया। कुछ महीनों बाद विनोद ने मां की मर्जी के खिलाफ गुपचुप तरीके से रेखा से शादी कर ली। शादी कलकत्ता के एक मंदिर में हुई। पर जब वे मुंबई लौटे और रेखा ने सास के पैर छूने की कोशिश की थी, तो कमला ने उन्हें धक्का देकर घर में घुसने से रोक दिया। रेखा अपमानित होकर रोती हुई वहां से चली गईं। सालों तक यही कहानी सुर्खियों में रही, लेकिन फिर 2004 में रेखा ने इंटरव्यू में ये कहते हुए हर किसी को हैरान कर दिया कि उन्होंने कभी विनोद मेहरा से शादी नहीं की, वे सिर्फ अच्छे दोस्त थे।

विनोद मेहरा के बाद रेखा की मुलाकात एक्टर किरण कुमार से हुई, जो उस वक्त उनकी दोस्त योगिता बाली के बॉयफ्रेंड हुआ करते थे। योगिता अक्सर रेखा से सलाह लिया करती थीं, लेकिन वक्त के साथ खबरें आने लगीं कि किरण कुमार और रेखा के बीच नजदीकियां बढ़ रही हैं। रेखा और किरण की जोड़ी अक्सर पार्टियों में साथ दिखाई देती थी। रेखा उन्हें प्यार से 'किन-किन' बुलाती थीं, लेकिन यह रिश्ता उनके करियर को नुकसान पहुंचाने लगा। रेखा का शूटिंग पर देर से पहुंचना या बीच में गायब हो जाना आम हो गया।

एक बार फिल्म 'धर्मात्मा' की शूटिंग के दौरान वे अचानक मुंबई लौट आईं क्योंकि उन्हें ;किन-किन; की याद आ रही थी। प्रोड्यूसर और डायरेक्टर उनके गैर-पेशेवर रवैये से परेशान रहने लगे। वहीं, किरण के पिता और दिग्गज अभिनेता जीवन इस रिश्ते के खिलाफ थे।

उन्हें लगता था कि रेखा जैसी 'विवादित' बैकग्राउंड वाली महिला उनके घर की बहू नहीं बन सकती। किरण ने भी अपने पिता के आगे झुकने का फैसला किया और रेखा से दूरी बना ली।

रेखा ने अपनी शुरुआती ही भाषा, एक्टिंग और अपनी फिजीक पर खास तवज्जो देने लगीं। इस समय उन्होंने खूब वजन घटाया था। उन्होंने लंदन में मेकअप कोर्स किया और मीना कुमारी के मेकअप आर्टिस्ट राम दादा को भी हायर किया। फिल्म दो अनजाने का एक हिस्सा कोलकाता में शूट हुआ, जहां रेखा और अमिताभ अक्सर फ्लोरीज टी रूम पर जाते, पार्क स्ट्रीट पर घूमते और खाने-पीने के लिए बाहर जाते। इस दौरान रेखा और अमिताभ के कथित रिश्तों की खबरें मीडिया में आने लगीं।

इस समय दोनों ने अलाप, खून पसीना जैसी फिल्में कीं। रेखा और अमिताभ की रियल-लाइफ रोमांस की अफवाहों ने उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को और भी दिलचस्प बना दिया। ठीक इसी समय रेखा की फिल्म घर रिलीज हुई, जिसमें उनके को-स्टार उनके कथित एक्स बॉयफ्रेंड विनोद मेहरा थे। रेखा ने अपनी बायोग्राफी में बताया है कि उन्होंने विनोद के साथ रोमांटिक सीन इतने प्रभावशाली ढंग से इसलिए किया क्योंकि उस समय वे अपने दिमाग में अमिताभ की कल्पना करती थीं। इसी समय फिल्म मुकद्दर का सिकंदर (1978) में रेखा ने जोहराबाई नामक एक वेश्या का किरदार निभाया था।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।